मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष-10, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07 , अंक - 187 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2021-23

भोपाल
22 दिसंबर 2023 शुक्रवार

आज का मौसम
22 अधिकतम
10 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

आज सबसे छोटा दिन और रात है सबसे लंबी!

नई दिल्ली , एजेंसी।

भारत में इन दिनों कड़ाके की सर्दी चल रही है। इसके चलते दिन छोटे हो गए हैं लेकिन आज यानी 22 दिसंबर का दिन साल का सबसे छोटा दिन है। जबकि आज की रात सबसे लंबी रात होगी। दरअसल भूगोल की भाषा में इसे शीत अयनांत कहते हैं। इसके चलते आज अमृतसर का दिन सबसे छोटा महज दस घंटे पांच मिनट का ही होगा।जबकि शिमला का दिन दस घंटे व सात मिनट और दिल्ली का दस घंटे व 19 मिनट होगा। सबसे बड़ा दिन भी कन्याकुमार में महज 11घंटे व 39 मिनट का ही होगा। मप्र के भी शहरों में भी आज दिन बहुत छोटे होंगे। उल्लेखनीय है कि दिसंबर बीतने के साथ ही दिन बडे और रात क्रमश~छोटी होने लगती हैं। आज बनी परिस्थितियों की वजह यह है कि पृथ्वी अपने अक्ष पर लंबवत से 23.5 डिग्री के कोण पर झुकी हुई है। इस झुकाव और सूर्य के चारों ओर परिक्रमा की वजह से ही धरती पर मौसम में बदलाव होता है और हर जगह पर दिन की अवधि में भी भिन्नता पाई जाती है। सूर्य की परिक्रमा के चलते जब पृथ्वी का उत्तरी गोलार्द्ध छह महीने तक सूर्य की तरफ झुका होता है तो इस पर सूर्य की किरणे सीधे पड़ती हैं और उस समय उत्तर गोलार्द्ध पर स्थित देशों में गर्मी का मौसम होता है और दिन लंबे होते हैं। वहीं उसी समय दक्षिणी गोलार्द्ध पर सूर्य की किरणे तिरछी पड़ती हैं तो उस वजह से वहां ठंड का मौसम होता है और दिन छोटे होते हैं।

भोपाल की बड़ी झील पर छोटे दिन का नजारा

क्या है शीत अयनांत

हर साल 21 या 22 दिसंबर को सूर्य की किरणें दक्षिणी गोलार्द्ध में स्थित मकर रेखा पर सीधी पड़ती हैं। जिसके चलते उत्तरी गोलार्द्ध सूर्य से सबसे अधिक दूर होता है और इसी वजह से उत्तरी गोलार्द्ध में इस समय ठंड का मौसम होता है और यह साल का सबसे छोटा दिन होता है। इसे ही शीत अयनांत कहा जाता है और इस दिन उत्तरी गोलार्द्ध में दिन की अवधि 10 घंटे 19 मिनट की होती है। वहीं 21 जून को सूर्य की किरणें उत्तरी गोलार्द्ध में स्थित कर्क रेखा पर लंबवत होती हैं। इस वजह से उस समय उत्तरी गोलार्द्ध में गर्मी का मौसम होता है और वह दिन साल का सबसे लंबा दिन होता है। इसे ग्रीष्म अयनांत कहा जाता है।

आज मप्र के मंत्रियों के नाम का लिफाफा लेकर दिल्ली से लौटेंगे मुख्यमंत्री

मोदी-शाह व नड्डा से मुलाकात, छग का फार्मूला मप्र में आजमाएगा हाइकमान!

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र में मंत्रिमंडल का गठन का फार्मूला आज दिल्ली में निकाला जा रहा है, इसमें कुछ वरिष्ठ विधायकों को मंत्री बनाने पर लगभग सहमति बन गई है। कम से कम तीन सीनियर चेहरे कैबिनेट में नजर आ सकते हैं। वहीं दो बार मंत्री रह चुके चेहरों के बजाए इस बार नये चेहरों को मंत्री बनाना लगभग तय हो गया है। शाम तक मुख्यंमत्री डा मोहन यादव मंत्रीपरिषद के चेहरों की सूची लेकर भोपाल लौट सकते हैं।

जानकार सूत्रों का कहना है कि जिस तरह छत्तीसगढ में कैबिनेट विस्तार सिरे चढ गया है,उसी तरह मप्र के लिये भी रास्ता निकाला जा रहा है। छग में ब्रजमोहन अग्रवाल को फिर मंत्री बनाया गया है, वे वहां वरिष्ठ विधायक है और हर भाजपा सरकार में शामिल रहे हैं। इसी तरह मप्र में भी कैलाश विजयवर्गीय,गोपाल भार्गव,प्रहालाद पटेल जैसे आधा दर्जन पुराने चेहरों में कम से कम तीन को मंत्री बनाया जा सकता है। आज सुबह डा यादव ने इस मामले में भाजपा अध्यक्ष नड्डा और गृहमंत्री अमित शाह से भी चर्चा की है। बताया जा रहा है कि भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री शिवप्रकाश, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा और हितानंद मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर वरिष्ठ नेताओं से भेंट कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने दोनों डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा व राजेन्द्र शुक्ला के साथ दिल्ली में पीएम नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की।

इससे पहले कल मुख्यमंत्री ने दिल्ली में प्रदेश के सांसदों को रात्रि भोज दिया। इसमें 26 सांसद शामिल हुए। इस दौरान विकसित भारत संकल्प यात्रा के समन्वय, भारत सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं के प्रदेश में क्रियान्वयन और भारत सरकार के समक्ष लंबित प्रदेश से जुड़े विषयों पर संसदीय क्षेत्रवार चर्चा हुई। रात्रि भोज कार्यक्रम में प्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल और जगदीश देवड़ा, भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री शिवप्रकाश, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा एवं संगठन महामंत्री हितानंद उपस्थित थे। वहीं मप्र से कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह,राजमणि पटेल और विवेक तन्खा ने भी दिल्ली में मुख्यमंत्री से मुलाकात की।

छग में 9 मंत्रियों ने ली शपथ

छग में भाजपा हाइकमान ने सस्पेंस दूर करते हुए मंत्रिमंडल में शामिल होने वाले सभी 9 विधायकों के नामों को तय किया गया। आज बारह बजे गवर्नर हाउस में मंत्रिमंडल सदस्य के रूप में बृजमोहन अग्रवाल, राम विचार नेताम, दयालदास बघेल, केदार कश्यप, ओपी चौधरी, टंक राम वर्मा, श्याम बिहारी जयसवाल और लक्ष्मी रजवाड़े ने मंत्री पद की शपथ ली। गौरतलब है कि साय की कैबिनेट में 10 सदस्यों को शामिल किया जा सकता है। सीएम और दो डिप्टी सीएम पहले से शामिल हैं।

डैमेज कंट्रोल में जुटी कांग्रेस राहुल-नीतीश में हुई बात

नई दिल्ली। इंडिया गठबंधन की चार दिन पहले दिल्ली बैठक में मल्लिकार्जुन खरगे का नाम पीएम पद के लिये उछलने के बाद पहली बार राहुल गांधी ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से बात की है। जेडीयू सूत्रों का कहना है कि राहुल और नीतीश की बातचीत में आगामी लोकसभा चुनावों की रणनीति पर चर्चा तथा इंडिया ब्लॉक को मजबूत करने के संबंध में विचार-विमर्श हुआ है। राहुल ने नीतीश से बात के दौरान ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल की तरफ से विपक्ष के पीएम पद के उम्मीदवार के रूप में खरगे का नाम आगे किए जाने पर कांग्रेस का रुख स्पष्ट किया है।

झारखंड में नक्सलियों ने रेलवे ट्रैक उड़ाया

रांची। झारखंड में हावड़ा-मुंबई मुख्य रेल मार्ग के गोइलकेरा पोसैता सेक्शन अंतर्गत नक्सलियों ने कल रात रेलवे ट्रैक उड़ा दिया। नक्सलियों ने आज 22 दिसंबर को भारत बंद का आह्वान किया है लेकिन बंद शुरू होने से पहले ही नक्सलियों ने गोइलकेरा पोसैता सेक्शन अंतर्गत कारो ब्रिज के समीप पोल संख्या 356/29ए के सामने तीसरी रेल खंड की पटरी को उड़ा दिया। पटरी के उड़ने से तीसरी लाइन के ओएचई, रेल के स्लीपर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए। रेलवे ट्रैक करीब एक मीटर तक बैंड हो गया।

146 सांसदों के निलंबन के खिलाफ धरने पर बैठे राहुल, पवार व खरगे

नई दिल्ली , एजेंसी।

विपक्षी सांसदों को निलंबित करने के मामले से नाराज विपक्षी दल अब सड़क पर उतर प्रदर्शन करने उतरे हैं। कल विपक्षी सांसदों ने संसद से विजय चौक तक मार्च निकाला तो आज दिल्ली समेत हर राज्य में प्रदर्शन चल रहे हैं। दिल्ली में जंतर मंतर पर प्रदर्शन में भाग लेने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, एनसीपी नेता शरद पवार और कांग्रेस नेता राहुल गांधी जंतर-मंतर पहुंचे। कार्यक्रम की आयोजक कांग्रेस के नेताओं के फोटो के पोस्टर सब तरफ नजर आ रहे हैं, इसमें इंडिया अलाइंस का एक पोस्टर भी लगा है। सांसदों के निलंबन पर इंडिया ब्लॉक के विरोध पर कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने कहा, देश में लोकतंत्र को बचाने के लिए सभी राष्ट्रवादी संगठनों को एक साथ आने और एक आवाज में संदेश देने की जरूरत है। सांसद कार्ति चिदंबरम ने कहा, सरकार का उद्देश्य विपक्ष के 146 सदस्यों को निलंबित करना और कानून लागू करना था, जिसके भारत में लोगों के दैनिक जीवन पर दूरगामी परिणाम होंगे।

जंतर मंतर

देश के कई राज्यों में तेजी से बढ़ रहे कोरोना के नए वेरिएंट के मामले

नई दिल्ली। शुक्रवार को देश में कोरोना के 640 नए मामले दर्ज किए गए हैं। कोरोना वायरस के जेएन.1 वैरिएंट पर बढ़ती चिंताओं के बीच विश्व स्वास्थ्य संगठन ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है।

डब्ल्यूएचओ की पूर्व मुख्य वैज्ञानिक डॉ. सौम्या स्वामीनाथन ने कहा है कि तत्काल घबराने की जरूरत नहीं है। लेकिन किसी भी किस्म की लापरवाही भी न हो। भारत में बीते पांच सप्ताह से कोरोना वायरस से संक्रमित मरीजों में नया उप स्वरूप जेएन1 पाया जा रहा है। एक सप्ताह में जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए आए मरीजों के सभी सैंपल में यह नया उप स्वरूप मिला है, जो वर्तमान में दुनिया के 40 से अधिक देशों में संक्रमण को बढ़ावा दे रहा है। भारत में जिन 11 राज्यों में कोरोना बढ़ रहा है उनमें केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु और महाराष्ट्र के अलावा गोवा, पुडुचेरी, गुजरात, तेलंगाना, पंजाब, दिल्ली और राजस्थान में भी कोरोना संक्रमित मरीज सामने आए हैं, जिनके सैंपल की जीनोम सीक्वेंसिंग रिपोर्ट आने का इंतजार है।

कमर्शियल गैस सिलेंडर 39 रु सस्ता हुआ, घरेलू गैस अभी महंगी ही

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत में कटौती की है। हालांकि कीमतों में बदलाव हर महीने की पहली तारीख को होता है लेकिन इस बार नौ दिन पहले यह बदलाव हुआ है। कमर्शियल सिलेंडर की कीमत में 39.50 की कटौती की है।लेकिन घरेलू एलजीजी सिलेंडरों की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है यह अभी भी हजार रूपये के आसपास ही है। वहीं कमर्शिलय सिलेंडर सस्ता होने से होटल और रेस्टोरंट जैसे कमर्शियल रसोई गैस उपयोगकर्ताओं को कुछ राहत मिली है। कीमत में 39.50 रुपये की कटौती के बाद कमर्शियल सिलेंडर अब कोलकाता में 1869 रुपये, मुंबई में 1710 रुपये और चेन्नई में 1929.50 रुपये में मिलेगा।

फ्रांस के राष्ट्रपति होंगे गणतंत्र समारोह के मुख्यअतिथि

नई दिल्ली एजेसी। इस वर्ष 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों होंगे। भारत ने अगले वर्ष जनवरी में क्वाड नेताओं के शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने के तहत गणतंत्र दिवस समारोह के लिए राष्ट्रपति बाइडन को आमंत्रित किया था। हालांकि, उन्होंने कुछ कारणों के चलते जनवरी में यहां आने में असमर्थता जताई। इसके बाद फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों को गणतंत्र दिवस के मुख्य अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया गया। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी भी मैक्रों के आमंत्रण पर जुलाई में फ्रांस गए थे। बैस्टिल डे परेड में भाग लेने के दौरान दोनों नेताओं ने मुलाकात की थी।

मेट्रो एंकर

सोशल मीडिया पर बयां किया अपने मन का दर्द...

लवगुरू को फिर *किसी का* इंतजार, छोड़ गई जूली!

पटना, एजेंसी।

'लव गुरु' के नाम से मशहूर बिहार के मटुकनाथ चौधरी फिर सुर्खियों में आए हैं। करीब डेढ दशक पहले उनका अपनी शिष्या से प्रेम प्रसंग चर्चा बना था। उस वक्त उन्होंने उम्र में 30 साल छोटी शिष्या जूली के साथ प्रेम बंधों को स्वीकार किया था। इसके बाद उन्हें परिवार और समाज के विरोध का सामना करना पड़ा था। चौधरी बीएन कॉलेज में प्रोफेसर थे। वे साल 2018 में 40 साल की नौकरी के बाद रिटायर हो गए हैं खास बात यह है कि जूली भी अब उनसे अलग है। मटुकनाथ ने अपनी पीड़ा सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए शेयर की है। उन्होंने लिखा कि साल 1995 में ही पत्नी अलग हो गई थी। परिवार बिखर गया था। इसके बाद विधिवत साल 05 में घर से निष्कासित हुआ था। इसी के साथ मैं दुख से भी मुक्त हो गया। मटुकनाथ ने लिखा कि जूली अपने आध्यात्मिक रुझान के कारण साल 2014 से भारत-भ्रमण कर अंदरूनी बेचैनी दूर करने का प्रयत्न करती रही, इसके बाद उसने अलग जीवन जीने की ख्वाहिश मेरे सामने रखी तो मेरी अस्वीकृति का सवाल नहीं था। उसका हित जिसमें हो, वही मुझे करना था।

'लव गुरु' ने लिखा - उसके अलग होने का दुख तो हुआ, लेकिन सबसे ज्यादा कचोट इस बात की रही कि उसका फैसला सही नहीं था। उसके खराब स्वास्थ्य ने मुझे बहुत बेचैन किया। यह बेचैनी तब कम हुई, जब उसके साथ साढ़े चार महीने रहकर मैं स्वदेश लौटा था। वह जहां है, बहुत संतुष्ट है। उसका कहना है कि वहां उसकी जितनी अच्छी देखभाल होती है, उतनी दुनिया में कहीं संभव नहीं है। मटुकनाथ ने कहा मैं 65 साल का युवा हूं, लोग मुझसे पूछ रहे हैं कि रिटायरमेंट के बाद मैं क्या करूंगा, हां, मैं एक लड़की से दोबारा शादी करना चाहता हूं।

अब स्कूल चलाते हैं चौधरी

उल्लेखनीय है कि चौधरी ने पहली बार साल 06 में जूली के साथ अपने लिव-इन रिलेशनशिप की बात स्वीकार की थी। शादीशुदा प्रोफेसर मटुकनाथ को परिवार और समाज ने काफी अपमानित किया था। 'लव गुरु' मटुकनाथ को पटना विश्वविद्यालय ने निलंबित भी कर दिया था। पटना विवि ने उनके वेतन और अन्य भत्तों के रूप में 20.70 लाख रुपये की राशि का भुगतान किया था। यह राशि मिलने के बाद मटुकनाथ ने कहा था कि मैंने वैलेंटाइन डे पर 6.34 लाख की कार खरीदने का मन बनाया है। यह कार जूली को भेंट करूंगा. बाकी पैसों से पैतृक गांव में स्कूल बनवा रहा हूं। चौधरी ने भागलपुर जिले के बिहपुर एरिया में स्थित जयरामपुर गांव में 10 लाख रुपये लगाकर स्कूल बनवाया था. 2018 में सेवानिवृत्ति के बाद से मटुकनाथ स्कूल चला रहे हैं।

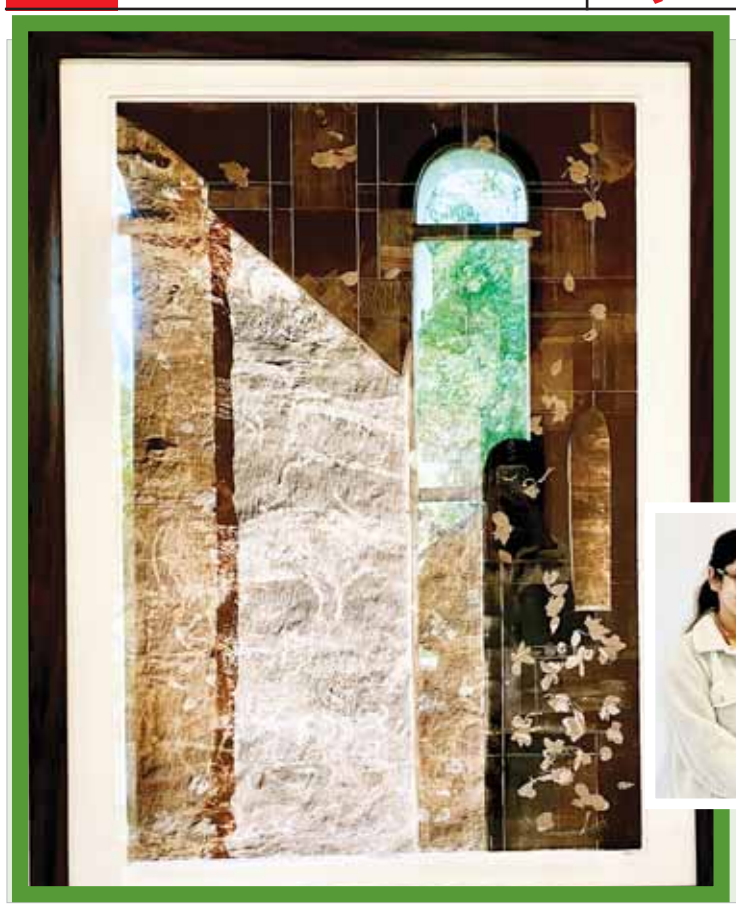

चित्रों से भी उभरती है समय व अंतर्मन की रोशनियां

रंगों में हैं मन के कई भीतरी राग, यह बताते हैं शिवानी के कोलाज

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

हाल ही में दिल्ली में इंडिया आर्ट,आर्किटेक्चर एंड डिजाइन बिएनऐल में कला व संस्कृति के साथ ही विरासत के गाढ़े रंग उभरे। देशभर के कलाकारों व वास्तुकारों ने

अपनी कल्पनाओं की उड़ान से इस आयोजन को यादगार बना दिया। इस मौके पर भारतीय वास्तुकला एंड डिजाइन आईएएडीबी में डाक टिकट भी जारी किया गया। खास बात यह है कि इस आयोजन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया, उन्होंनें इस आयोजन को देश की विविध विरासत और जीवन संस्कृति का उत्सव करार दिया। उन्होंने कहा कि भारत में कला,स्वाद व रंग जीवन के पर्याय माने जाते हैं। कला व संस्कति मानव मन को अंतरात्तमा से जोड़ने और उसकी क्षमता को पहचानने के लिये जरूरी है।

इसी आयोजन में भोपाल की चित्रकार शिवानी दुबे के चित्रों को खासी सराहना मिली। मुबंई में रह रहीं व जेजे स्कूल ऑफ आर्ट्स मुबंई से प्रशिक्षित शिवानी के चित्रों में मानव मन के उन कोनों की तलाश अक्सर दिखाई देती है, जो आमतौर पर अनदेखी रह जाती हैं। वे मन के उन कोनों में दाखिल होने का प्रयास करती हैं, जहां या तो स्याह अंधेरा होता या फिर उजाले की हल्की सी किरण। शिवानी का मानना है कि 'अक्सर लोग खुद को जैसा दिखाते हैं, वैसे होते नहीं हैं। उनके मन में कई उथलपुथल चल रही होती हैं तथा विचार व व्यवहार निरंतर बदल रहा होता है। इसीलिए चेहरों के जरिये उनके मन में उतरने की यात्रा मुझे रोमांचित करती है।'

खास बात यह है कि, शिवानी के प्रदर्शित चित्रों में विरासत तथा उनके अवशेषों का भी रंग उभरता है। कई बार ऐसा लगता है कि वे अपने चित्रों के माध्यम से किसी यात्रा पर हैं, अथावा दर्शकों को किसी यात्रा पर ले जाने की कोशिश कर रही हैं। शिवानी भोपाल के समीप की भीमबैठिका की गुफाओं का 'जिक्र' अक्सर अपने चित्रों में करती हैं। उनका कहना है कि मुझे ऐसा लगता है कि गुफा की दीवार व सतह से बीते समय का एक जुलूस-सा चल रहा है। यहां उल्लेखनीय होगा कि भीमबैठिका रॉक गुफाएं यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल हैं जो भारत में मानव जीवन के सबसे पुराने निशानों में से एक और 'दुर्लभ' को प्रदर्शित करती हैं। इसमें पाषाण युग है,नृत्य हैं और शिकार के साक्ष्य भी हैं।

शिवानी की कई चित्र प्रदर्शनी देश के अनेक शहरों में लग रही हैं। उन्होंने बेहद कम उम्र में खुद भी वह यात्रा शुरू की है,जो अक्सर लोग बहुत देर बाद शुरू कर पाते हैं,यानि दूसरों के मन को पढ़ने व अपने भीतर की खोज..।

न्यायालय की समझाइश के बाद भरण-पोषण देने राजी हुआ बेटा

बेटे ने जिम्मेदारी से मुंह फेरा, मां ने लगाई कोर्ट से गुहार, मिली राहत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

जिस माता-पिता ने कड़ा संघर्ष कर बेटे को पढ़ाया-लिखाया और सक्षम बनाया, उसी बेटे ने माता-पिता के बीमार होने पर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया। बेटे के व्यवहार से दुखी मां ने अपने अधिकार के लिए न्यायालय से मदद की गुहार लगाई थी, जहां उसे राहत मिली है। मामले में बेटे को समझाया गया कि मां उसकी जिम्मेदारी है और वो इस तरह मुंह नहीं फेर सकता। मामले में बेटा अपनी मां का खर्च उठाने तैयार नहीं था। हालांकि, समझाइश के बाद बेटे ने हर माह 12 हजार रुपए की राशि मां को देने के लिए हामी भर दी। आखिर बेटा हर माह मां को भरण-पोषण देने को राजी हो गया।

यह है पूरा मामला

मामले में साकेत नगर निवासी मां ने कोर्ट में बताया कि पति सरकारी सेवा में थे। अब उनके निधन के बाद पेंशन मिलती है। वृद्धा ने कहा कि बुढ़ापा अपने साथ बीमारियां भी लेकर आता है। वह भी कई बीमारियों से ग्रस्त है। पति की पूरी पेंशन दवा और इलाज में खत्म हो जाती है। यहां तक कि दवा के लिए भी कम ही पड़ती है। ऐसे में उन्हें बेटे से आस थी, लेकिन बेटे ने जिम्मेदारी से पूरी तरह पल्ला झाड़ लिया। वृद्धा ने बताया कि उनका बेटा प्राइवेट जॉब में है और अच्छा कमाता है, लेकिन उसे बोझ समझता है। मजबूरी में वृद्धा ने अपने हक के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया। न्यायालय की समझाइश के बाद आखिर बेटा हर माह मां को भरण-पोषण देने को राजी हो गया।

माता-पिता के भरण-पोषण के लिए 10 हजार रूपये का प्रावधान

मध्य प्रदेश में माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के लिए भरण-पोषण और कल्याण नियम 2009 भी लागू है। इसमें राज्य शासन के अधीन कार्यरत शासकीय अधिकारी-कर्मचारी, अर्ध शासकीय उपक्रम, निगम, स्थानीय निकाय के कर्मचारियों के वेतन से अधिकतम 10 हजार रूपये काट कर भरण-पोषण के लिए उनके माता-पिता के बैंक खाते में जमा करने का प्रावधान है।

राजधानी में मौसम साफ

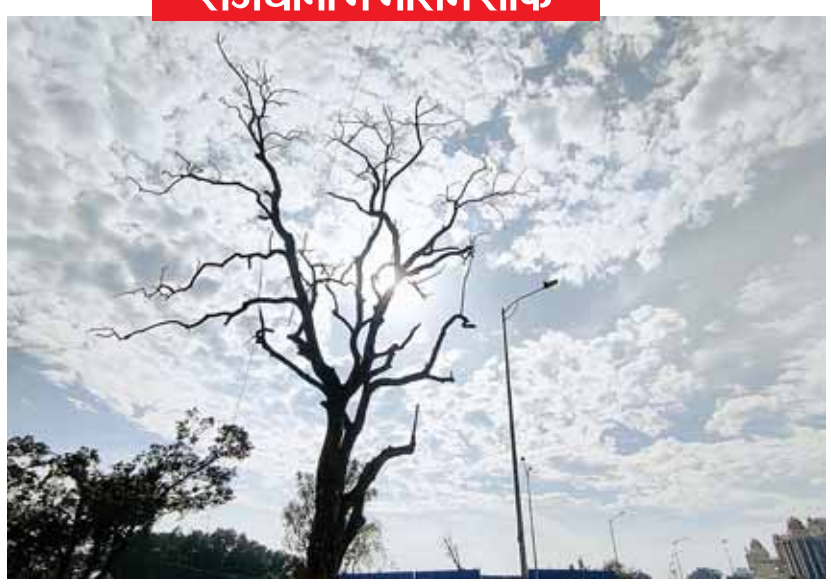

भोपाल। बीते कुछ दिनों से राजधानी में तेज ठंड दौर जारी था, जिससे लोगों का कामकाज प्रभावित हो गया था। लेकिन आज सुबह तेज धूप से राजधानीवासियों के लिए सुकून भरी रही। राजधानी में सुबह मौसम साफ रहा ।

प्रत्येक फ्लोर पर पेयजल सहित अन्य व्यवस्थाओं के लिए निर्देश

मूलभूत सुविधाओं की कमी से जूझ रहा हमीदिया अस्पताल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

जिले के दो मामलों में संज्ञान लेकर मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष मनोहर ममतानी ने संबंधित अधिकारियों से जवाब मांगा है। पहला मामला हमीदिया अस्पताल में मूलभूत सुविधाओं की कमी से मरीजों के परेशान होने का है। मामले में आयोग ने हमीदिया अस्पताल अधीक्षक को जांच के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही नई बिल्डिंग के प्रत्येक फ्लोर पर पेय जल की सुविधाएं, वाटर कूलर की व्यवस्था के संबंध में कार्यवाही कर एक माह में जवाब मांगा है।

यह है पूरा मामला

भोपाल शहर के हमीदिया अस्पताल में मरीजों को हो रही असुविधाओं के मामले सामने आये है। बीते मंगलवार को यहां कई मरीजों को बीना ईलाज के ही घर लौटना पड़ा। दवा काउंडर में 50 प्रतिशत ही दवाईयां उपलब्ध है। बीना वॉर्ड बॉय के सहारे मरीजों को उनके परिजन खुद स्ट्रैचर द्वारा धकाते ले जाने पर मजबूर हो रहे है। 13 मंजिला इमारत में मरीज व उनके परिजनों के लिये पीने का पानी भी मिलना कठिन हो रहा है।

शिक्षक ने छात्रा को बेरहमी से पीटा

भोपाल जिले के सूखी नेपानिया इलाके में संचालित शासकीय एकीकृत शाला में बीते 3 नवंबर को एक टीचर द्वारा 6वीं क्लास की छात्रा से बेरहमी से पिटाई करने का मामला सामने आया है। छात्रा के प्राइवेट पार्ट में चोटें भी पाई गई है। परिजनों ने जब छात्रा से स्कूल ना जाने की वजह पूछी तो उसने पूरी घटना के बारे में बताया। मामले में संज्ञान लेकर आयोग ने कलेक्टर एवं जिला शिक्षा अधिकारी, भोपाल से मामले की जांच कराकर की गई कार्यवाही के संबंध में तीन सप्ताह में जवाब मांगा है।

कलेक्टर को ज्ञापन

भोपाल। अखिल भारत हिन्दू महासभा भोपाल ने कलेक्टर को अश्लीलता के संदर्भ में ज्ञापन सौंपा, जिसमें प्रदेश महामंत्री रवि वर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष रमेश चंद्र शास्त्री, संभाग प्रभारी गुडडा द्विवेदी प्रदेश सह सगठन मत्री रघु नंदन विश्वकर्मा उपाध्यक्ष आनंद निकम, कार्यलय मंत्री कमल भिलाला, विनय गुप्ता आदि उपस्थित थे।

सोभराजमल तेजवानी के नेत्रों का दान

हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम नगर निवासी 60 वर्षीय सोभराजमल तेजवानी का देहावसान गुरूवार को हो गया। दिवंगत प्राणी के परिजन राजकुमार भोजवानी ने तेजवानी की आंखें सेवासदन नेत्र चिकित्सालय को दान में दे दी । जो, दो जरूरतमंद दृष्टिबाधित व्यक्तियों को प्रत्यारोपित किए जाएंगे। सेवा सदन अस्पताल ने अभी तक 2058 दृष्टिबाधित लोगों को निःशुल्क नेत्र प्रत्यारोपित कर नेत्र ज्योति प्रदान की है।

मेट्रो एंकर कुटिया में संपट पाठ साहब, सिद्धभाऊजी ने सेवा का पाठ पढ़ाया, संतनगर के स्कूलों में हुए पुष्पांजलि कार्यक्रम

सेवा की राह दिखाने वाले हिरदारामजी को याद किया संतनगर ने

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

परोपकार के कार्यों में अपना जीवन समर्पित करने वाले मानव सेवा के संदेशवाहक संत हिरदाराम साहिबजी के महा निर्वाण दिवस पर गुरूवार को मानव सेवा का संकल्प दोहराया गया। कुटिया पर आम और खास ने माथा टेककर मानव सेवा का संकल्प दोहराया। संतनगर ने स्वामीजी को नमन कर पुष्पांजलि अर्पित की गई।

कुटिया में सुबह संत सिद्धभाऊ के सानिध्य में धार्मिक अनुष्ठान हुए। सिद्धभाऊ ने संतजी के नमन करने आए आम और खास लोगों को मानव होकर मानवता की सेवा का पाठ प?ाया। सिद्धभाऊ ने कहा खुद के लिए सब जीते हैंए जो दूसरों के लिए जीता है वहीं मानव योनी को चरितार्थ करता है। संतजी की कुटिया पर विधायक रामेश्वर शर्मा, भगवानदास सबनानी, पूर्व सांसद आलोक संजर व हजारों लोगों ने समाधि स्थल पर माथा टेका।

बच्चों ने याद किया

नवनिध लखानी पब्लिक स्कूल, मिठी गोविंदराम पब्लिक स्कूल, विद्या सागर पब्लिक स्कूल, विक्योमल सराफ एज्युकेशन सोसायटी गांधीनगर में प्रार्थना सभा में बच्चों ने स्वामीजी को नमन किया। संतजी के सेवा कार्यों का उल्लेख किया गया। शहीद हेमू कालाणी एज्युकेशन सोसायटी के हीरा ज्ञानचंदानीए एसी साधवानी व शाला परिवार के सदस्यों ने संतजी द्वारा बताए गए सेवा और सत्संग के मार्ग का अनुशरण करने संकल्प लिया।

सेवा का संकल्प लिया

साधु वासवानी स्कूल में स्वामी हिरदारामजी के महाप्रयाण दिवस पर संतजी की मूर्ति पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। शिक्षाविद् विष्णु गेहानी ने कहा कि संतजी ने जो सिमरन व समर्पण का मार्ग हमें दिखाया है उस मार्ग पर चलें और यह प्रण करें की हर दिन परमात्मा का सिमरन करेंगे। विद्यालय में जपु जी साहिब एवं सुखमनी पाठ साहिबजी का आयोजन किया गया। आरती, अनंद साहिबए अरदास एवं प्रसाद वितरण के साथ सुखमनी पाठ साहिबजी का समापन किया गया।

पुष्पांजलि कार्यक्रम

संस्कार विद्यालय में संतजी की पुण्यतिथि पुष्पांजलि सभा का आयोजन किया गया। शाला परिवार के सदस्यों ने माल्यार्पण कर संतजी की सेवा की राह पर चलने का संकल्प दोहराया। कहा कि संतनगरवासी सौभाग्यशाली हैए जो संतजी की छत्र छाया उनके ऊपर है।

यहां भी हुए आयोजन

- पूज्य सिंधी पंचायत संतजी की 17वीं पुण्यतिथि पर गुलाब उद्यान स्थित संत जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। विधायक रामेश्वर शर्मा, पंचायत अध्यक्ष साबू रीझवानी, पार्षद अशोक मारण, भाजपा नेता राम बसंल, महासचिव माधू चांदवानी ने भी संत जी के जीवन पर विचार रखे।
- युवा सिन्धी मंच ने रामधुनी और भण्डारे का आयोजन किया। मंच के जयराम नंदवानी ने पुष्पांजलि अर्पित की धार्मिक आयोजन के बीच संतजी का स्मरण गया गया।
- महानगर नागरिक सहकारी बैंक मर्यादित में संतजी के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। बैंक के मुख्य कार्यपालक प्रकाश आसूदानी ने पुष्प अर्पित किए। बैंक कर्मचारियों ने संतजी के बताए सेवा के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।
- संतजी की पुण्य तिथि पर सैनिक कालोनी, आरा मशीन, कम्यूनिटी हाल, संत लीलाशाह आश्रमए सीटीओ व अन्य क्षेत्रों में तुलसी के पौधों का वितरण किया।

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व वाले जंगल में शाह ने दी थी पार्टी

पूछताछ तक ही सीमित है पूर्व वन मंत्री शाह की चिकन पार्टी की जांच

भोपाल, दोपहर मेट्रो

पूर्व वन मंत्री एवं भाजपा विधायक विजय शाह की चिकन पार्टी वाली जांच केवल पूछताछ तक सिमटकर रह गई है। अधिकारी इससे आगे की कार्रवाई ही नहीं कर रहे हैं। पूछताछ के नाम पर केवल 5 से 6 वन कर्मियों को ही बार–बार परेशान किया जा रहा है। इतना ही नहीं, मामले की जांच को जिस हिसाब से किया जा रहा है, उससे कई तरह के सबूत के मिटने की आशंका बढ़ गई है। पूरे मामले में बड़े अधिकारी हाथ डालने से बच रहे है। केवल जांच के नाम पर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर संदीप फैलोज को उलझा दिया है, जिनके अधिकार क्षेत्र में जांच आती ही नहीं है। सबसे पहले 19 दिसंबर को यह मामला सामने आया था तब से लेकर आज 22 दिसंबर है, लेकिन कार्रवाई के नाम पर रिजर्व प्रबंधन व मप्र वन विभाग एक कदम भी आगे नहीं बढ़ा है।

कार्रवाई इसलिए नहीं

वन्यप्राणी मामलों के जानकारों का कहना है कि यही चिकन पार्टी किसी आम कर्मचारी या नागरिक ने की होती तो रिजर्व प्रबंधन से लेकर मप्र शासन कड़ी कार्रवाई कर देता लेकिन पार्टी पूर्व वन मंत्री एवं भाजपा के कद्दावर नेता विजय शाह के नेतृत्व में हो रही है इसलिए कार्रवाई नहीं की जा रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि विभागीय मंत्री रह चुके शाह को यह शोभा नहीं देता, तब भी बाघ मूवमेंट वाले इलाके में इस तरह पार्टी की और खुद ही वीडियो भी बनाया, यह अपराध की श्रेणी में आता है। इस संबंध में कार्रवाई होनी ही चाहिए। इसमें कोई ढिलाई नहीं दी जानी चाहिए।

पीसीसीएफ पत्र लिखकर चुप बैठे

मामले की शिकायत जैसे ही पीसीसीएफ वन्यप्राणी कार्यालय पहुंची, उन्होंने दूसरे ही दिन फील्ड डायरेक्टर एल कृष्ण मूर्ति को पत्र लिखा और उसके बाद से चुप बैठे हुए हैं तो वहीं फील्ड डायरेक्टर पर गंभीर आरोप है कि उन्हीं के संरक्षण में चिकन पार्टी हुई है, मामला पूर्व मंत्री से जुड़ा है जो कि पूर्व में विभाग के ही मंत्री रह चुके हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि पूर्व मंत्री किसी निचले अधिकारी से इंतजाम के लिए कहेंगे ही नहीं, बल्कि वरिष्ठ अधिकारियों के संरक्षण से ही पार्टी का इंतजाम हुआ है।

केंद्र के पायलट प्रोजेक्ट में शामिल मप्र

नया टीकाकरण अभियान: धूम्रपान करने वालों को भी लगेगा डोज

भोपाल, दोपहर मेट्रो

18 वर्ष से अधिक आयु वालों को भी टीबी की बीमारी से बचाने के लिए टीका लगाने का अभियान शुरू हो रहा है। इसमें अभी गंभीर बीमारियों से पीड़ित रोगियों के अलावा धूम्रपान करने वालों को शामिल किया जा रहा है। भारत सरकार ने पायलट प्रोजेक्ट के लिए मध्य प्रदेश को भी चुना है। 26 जिलों में 18 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को टीका की एक डोज लगाई जाएगी। अभी जिलों का चयन होना बाकी है।

बताया जाता है कि यह टीकाकरण शुरू करने की तारीख भारत सरकार द्वारा निर्धारित की जाएगी। अभी सिर्फ बच्चों को ही टीबी से बचाव के लिए बीसीजी का टीका लगाया जाता है। धूम्रपान करने वालों की पहचान के लिए सर्वे कराया जाएगा। राज्य टीकाकरण अधिकारी डा. संतोष शुक्ला ने बताया कि केंद्र ने पहले मात्र मध्य प्रदेश को ही पायलट प्रोजेक्ट के लिए चुना था, पर अब लगभग 15 राज्य शामिल हो चुके हैं। इस संबंध में स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को बताने के लिए एक कार्यशाला भी हो चुकी है। डा. शुक्ला ने बताया कि दाहिने हाथ में 0.1 मिली टीका लगाया जाएगा। टीका उन्हें लगेगा जिनकी प्रतिरोधक क्षमता किन्हीं कारण से कम हो जाती है। बीमारी से लड़ने की क्षमता कम होने पर सबसे पहले टीबी जकड़ती है। एड्स से पीड़ित रोगियों को भी सबसे पहले टीबी होती है।

शहरी बेघरों का होगा हेल्थ चेकअप

वहीं मप्र सरकार ने शहरी बेघरों के लिए संचालित आश्रय स्थलों में ठहरने वाले हितग्राहियों का स्वास्थ्य परीक्षण करने की तैयारी की है। विभिन्न जिलों में नगरीय प्रशासन एवं विकास के अधीन दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी अजीविका मिशन के घटक शहरी बेघरों के लिए आश्रय अंतर्गत 61 नगरीय निकायों में कुल 125 आश्रय स्थलों का संचालन किया जा रहा है। प्रमुख सचिव नगरीय विकास एवं आवास नीरज मंडलोई ने कहा है कि आश्रय स्थलों में ठहरने वाले हितग्राहियों के स्वास्थ्य परीक्षण किए जाने और बेघर व्यक्तियों को राहत प्रदान करने के लिए स्वास्थ्य विभाग एवं नगरीय निकायों के मैदानी अमले को बेहतर प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। आश्रय स्थलों की मैपिंग उनके समीप संचालित संजीवनी क्लीनिक,शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र आदि से की गई है। आश्रय स्थल प्रभारी समस्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं मेप की गई संस्था के प्रभारी अधिकारी से समन्वय कर आश्रय स्थलों में ठहरने वाले हितग्राहियों के स्वास्थ्य परीक्षण किए जाने की कार्ययोजना तैयार करेंगे। आश्रय स्थलों के निरीक्षण हेतु एक दल का गठन किया जाएगा। दल प्रत्येक 15 दिवस में निरीक्षण करेगा। निकाय शीत ऋतु में मोबाइल वैन के माध्यम से रात्रि के समय फेरे लगाकर बेघरों को सुविधाजनक तरीके से आश्रय स्थल तक पहुंचाना सुनिश्चित करेंगे।

समन्वय बैठक का आयोजन

मध्य प्रदेश समाज सेवा संस्था के द्वारा लोक आधारित विकास प्रक्रिया के अन्तर्गत एम.पी.एस.एस.एस.कार्यालय के सभागार में समाज सेवी संस्थाओं के कार्यकर्ताओं की समन्वय बैठक का आयोजन हर्बल औषधि, पोषण, भूखमरी और कुपोषण के विषय पर किया गया।

आठ नवागत आईएएस अफसरों का तबादला

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मप्र की यादव सरकार ने आठ सहायक कलेक्टरों का तबादला किया है। 2021 बैच के इन आइएएस अधिकारियों को अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बनाया गया है। इसमें अर्थ जैन को मंडला से उज्जैन, वैशाली जैन को छिंदवाड़ा से हुजूर रीवा, दिव्यांशु चौधरी को बैतूल से डबरा ग्वालियर, सृजन वर्मा को नीमच से सिंगरौली, अर्चना कुमारी को विदिशा से सीहोरा जबलपुर, अरविंद कुमार शाह को शिवपुरी से शहडोल, शिवम प्रजापति को धार से पुनासा खंडवा और टी प्रतीक राव को देवास से इटारसी नर्मदापुरम पदस्थ किया है।

उधर दो दिन पहले हुए आदेश के मुताबिक अब जनसंपर्क विभाग के सचिव विवेक पोरवाल ने आयुक्त व एमडी माध्यम का पदभार संभाल लिया है। उन्होंने कार्यभार ग्रहण करने के बाद अधिकारियों के साथ बैठक की। पोरवाल ने जनसंपर्क की कार्यप्रणाली की वरिष्ठ अधिकारियों से जानकारी प्राप्त करते हुए बेहतर तरीके से कार्य करने के निर्देश दिए हैं।

शिकायतों के चलते गुप्ता हटे, वशिष्ठ भी

मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव मनीष रस्तोगी के बाद अब उप सचिव नीरज कुमार वशिष्ठ की छुट्टी हो गई। अभी उन्हें मंत्रालय में उप सचिव पदस्थ किया है। अभी रस्तोगी को भी कोई दायित्व नहीं दिया गया है। वशिष्ठ ने लंबे समय तक पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ काम किया है। सामान्य प्रशासन विभाग ने गुरुवार को दो वरिष्ठ आइएएस अधिकारियों पदस्थापनाएं की हैं। इनमें आयुक्त व संचालक नगर तथा ग्राम निवेश मुकेश चंद्र गुप्ता को भी इस दायित्व से मुक्त कर दिया। वे अब प्रमुख सचिव योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी रहेंगे। इंदौर में पदस्थ श्रम आयुक्त श्रीकांत बनोठ को वर्तमान दायित्व के साथ आयुक्त सह संचालक नगर तथा ग्राम निवेश का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

रात्रिभोज पर चर्चा...

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मप्र के सांसदों से बीती रात दिल्ली में से रात्रिभोज पर प्रदेश के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की।

भाजपा विधायक कश्यप इस बार भी नहीं लेंगे वेतन भत्ते

भोपाल, दोपहर मेट्रो। रतलाम शहर से भाजपा विधायक चेतन्य कुमार काश्यप इस बार भी विधायक के रूप में मिलने वाले वेतन-भत्ते नहीं लेंगे। इसकी घोषणा उन्होंने की है। काश्यप ने कहा कि राष्ट्रसेवा और जनहित मेरा ध्येय है और इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए मैं राजनीति में आया हूं। ईश्वर ने मुझे इस योग्य बनाया है कि मैं जन सेवा में थोड़ा सा योगदान कर सकूं। इसी तारतम्य में मैंने विधायक के रूप में प्राप्त होने वाले वेतन भत्ते एवं पेंशन नहीं लेने का निश्चय किया है। पिछली दो विधानसभा में भी मैंने वेतन भत्ते ग्रहण नहीं किए थे।

वही कल जब विस में विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने छिंदवाड़ा से विधायक कमल नाथ के सत्र से अनुपस्थित रहने की अनुमति पर सदन की सहमति की सूचना पढ़ी। इस पर कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि इस सदन में नहीं आने लायक तो उनको इनकी पार्टी ने ही बनाया है। उन्हें नेता प्रतिपक्ष नहीं बनाया और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद से भी हटा दिया, अब वे किस मुंह से यहां पर आएं। इस पर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार कहा ने कि शायद कैलाश को पता नहीं है, उनके यहां परिवार में गमी हो गई है, इस कारण वे नहीं आ पाए।

मेट्रो एंकर | मुख्य न्यायाधीश ने किया शुभारंभ

हाइकोर्ट में एकीकृत वीडियो निगरानी प्रणाली, ऑडियो विजुअल स्ट्रीमिंग सिस्टम शुरू

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस रवि मलिमथ ने मप्र हाई कोर्ट में आम नागरिकों की सहूलियत के लिये अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी व्यवस्थाओं का शुभारंभ किया है। उच्च न्यायालय जबलपुर में वीडियो निगरानी प्रणाली और कोर्ट रूम लाइव ऑडियो विजुअल स्ट्रीमिंग सिस्टम-क्लास परियोजनाएं प्रारंभ हो गई हैं। उच्च न्यायालय के न्यायाधीश और उच्च न्यायालय एवं जिला न्यायालय, जबलपुर के अधिकारी उपस्थित थे।

यह देश में पहली बार है, जब किसी राज्य के उच्च न्यायालय द्वारा राज्य में सभी जिला और तहसील अदालतों के लिए कार्यवाही की लाइव स्ट्रीमिंग की व्यवस्था की गई है। सुरक्षित अदालत परिसरों की ओर बढ़ते हुए, हाईकोर्ट ने एकीकृत वीडियो निगरानी प्रणाली (आईवीएसएस) और कोर्ट रूम लाइव ऑडियो विजुअल स्ट्रीमिंग सिस्टम (क्लास) शुरू की है।

आईवीएसएस और क्लास क्या है?

1. एकीकृत वीडियो प्रबंधन प्रणाली।
2. कोर्ट रूम ऑडियो-विजुअल रिकॉर्डिंग सिस्टम।
3. संग्रह और लाइव के साथ-साथ ऑन-डिमांड स्ट्रीमिंग सेट-अप।
4. जबलपुर में डेटा सेंटर एवं कमांड एवं कंट्रोल सेंटर की स्थापना।

210 कोर्ट रूम की लाइव स्ट्रीमिंग

यह अपने आप में देश की एक अग्रणी परियोजना है जो पारदर्शिता और जवाबदेही के सिद्धांतों को अपनाती है। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने जिम्मेदार नेतृत्व का प्रदर्शन करते हुए अन्य अदालतों के लिए एक उदाहरण प्रस्तुत किया है। यह भारतीय न्यायिक प्रणाली के इतिहास में एक अग्रणी तकनीकी परियोजना है जो हाई कोर्ट द्वारा प्रशासित अदालत परिसर को सुरक्षित और पारदर्शी बनाएगी। नई प्रौद्योगिकी को अपनाने और उनका एकीकरण मध्य प्रदेश न्यायपालिका को डिजिटल युग के लिए तैयार करेगा। अदालत परिसर में न्याय की यात्रा सभी संबंधित पक्षों – न्यायाधीशों, वकीलों और अधिवक्ताओं, अदालत के कर्मचारियों, पुलिस जैसी सुरक्षा एजेंसियों और बड़े पैमाने पर जनता के लिए सुरक्षित होनी चाहिए। अदालत परिसरों में व्यवधान की कई घटनाएं हुई हैं । अदालत परिसरों को सुरक्षित बनाने के लिए सिस्टम तैनात करना और तंत्र स्थापित करना महत्वपूर्ण कदम है।

सुविचार

काबिलियत इतनी बढ़ाओ कि तुम्हे हराने के लिए, कोशिश नहीं साजिश करनी पड़े।

- अज्ञात

संपादकीय

सुधार का सिलसिला व सदी

लोकसभा में पेश टेलिकम्युनिकेशंस बिल में जिन कदमों का प्रस्ताव किया गया है, उससे टेलिकॉम इंडस्ट्री और डिजिटल इकॉनमी को और रफ्तार मिल सकती है। दरअसल लाइसेंसिंग और स्पेक्ट्रम एलोकेशन सहित इस सेक्टर के रेग्युलेटरी मैकेनिज्म में बड़े बदलावों का प्रस्ताव किया गया है। यह बिल कानून बन जाने के बाद इंडियन टेलिग्राफ एक्ट 1885, वायरलेस टेलिग्राफ एक्ट 1933 और टेलिग्राफ वायर्स (अनलॉफुल पजेशन) एक्ट 1950 जैसे कानूनों की जगह लेगा। ये कानून तेजी से बदलते इस क्षेत्र के लिए पुराने पड़ते जा रहे थे और इन्हें बदलने की जरूरत काफी समय से महसूस की जा रही थी। इस बिल में प्रस्तावित बदलावों पर विचार करने से पहले पिछले दस वर्षों के दौरान इस क्षेत्र में हुए सुधारों और उनके परिणामों पर एक नजर डाल लेना बेहतर होगा। सरकार ने इस दौरान एडजस्टेड ग्रॉस रेवेन्यू की परिभाषा, बैंक गारंटी की जरूरत में तो बदलाव किया ही, वायरलेस प्लानिंग एंड कोऑर्डिनेशन विंग की प्रक्रिया में भी पूर्ण सुधार किया। राइट्स ऑफ वे की प्रक्रिया भी आसान बनाई गई और वाजिब शुल्क निर्धारित किए गए। यही नहीं सुरक्षा उपायों के साथ सौ फीसदी एफडीआई की भी इजाजत दी गई है। वहीं टूजी एलोकेशन को लेकर हुए विवाद और सुप्रीम कोर्ट द्वारा उसे अवैध करार दिए जाने के बाद इस क्षेत्र में जो शिथिलता दिखने लगी थी, वह इन सुधारों से दूर हुई। इसका असर भी इंडस्ट्री पर दिखा। बेस ट्रांससीवर स्टेशन की संख्या इस दौरान 6.25 लाख से बढ़कर 25.5 लाख हो गई। ब्रॉडबैंड इंटरनेट के उपभोक्ता 1.5 करोड़ से बढ़कर 85 करोड़ हो गए। मंजूरी में लगने वाला औसत समय 230 दिनों से घटकर 10 दिन हो गया। परिणाम यह कि 3 लाख करोड़ के अधिक एजीआर के साथ टेलिकॉम अब एक सनराइज सेक्टर के रूप में देखा जा रहा है। टेलिकम्युनिकेशंस बिल सुधारों की कड़ी को आगे बढ़ा रहा है। स्पेक्ट्रम सौंपने का मुख्य तरीका ऑक्शन होगा। एडमिनिस्ट्रेटिव असाइनमेंट केवल जनहित (जैसे मेट्रो, सामुदायिक रेडियो) सरकारी कार्य (जैसे रक्षा, रेलवे, पुलिस) और उन क्षेत्रों तक सीमित होगा, जिनमें तकनीकी या आर्थिक कारणों से ऑक्शन को प्राथमिकता नहीं दी जा सकती। इसमें काम में न लाए जाने वाले स्पेक्ट्रम सरकार को वापस लौटाने का भी प्रावधान है। भूलवश कानून का उल्लंघन होने पर स्वेच्छा से अपनी गलती मानने का विकल्प है। विवाद निपटाने के लिए भी बहुस्तरीय व्यवस्था है और इस पूरी प्रक्रिया को डिजिटल रखा गया है। राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से इंटरसेप्शन के कुछ अधिकार सरकार के पास होने जरूरी हैं। फिर भी कुछ हलकों में इससे जुड़े पहलुओं पर चिंता है मगर चिंता का औचित्य और उसका हल सही अर्थों में तभी सामने आएगा जब यह बिल कानून बनेगा और इसके उपयोग या दुरुपयोग से जुड़े पहलू व्यवहार में दिखने शुरू होंगे। इसमें प्रावधान हैं कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुडे किसी आपात स्थिति में सरकार टेलिकाम सेवा तथा मोबाइल नेटवर्क को अस्थाई तौर पर अपने नियंत्रण में ले सकती है। वैसे देखा जाए तो यह बहुत सुधारवादी कदम साबित हो सकता है, जिसकी उम्मीद कई साल से की जा रही थी। अब आने वाले समय में इसका क्रियान्वयन बहुत महत्वपूर्ण होगा। उल्लेखनीय होगा कि केंद्र सरकार ने अब 138 साल पुराने टेलीग्राफ एक्ट को बदलने की पहल की है।

निशाना

गिरी आखिर गाज !

- कृष्णेन्द्र राय

हुई कार्रवाई अब ।
गिरी आखिर गाज ।।
गैरजिम्मेदार वो ।
सर पर जिनके ताज ।।
हुई हरक़त इस तरह ।
है शर्मिंदा देश ।।
कार्यशैली ऐसी है ।
दर्ज़ा जिन्हें विशेष ।।
धीरे-धीरे परतें ।
लगीं खुलने आज ।।
है सब कुछ स्पष्ट ।
ना रहा कुछ राज ।।
है पड़ता भुगतना ।
किए जो भी काम ।।
प्राप्त कर लिया देश ।
लेकिन कुछ पैग़ाम ।।

आज का इतिहास

- **2010** - अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने समलैंगिकता से जुड़े कानून पर दस्तख़त कर सेना में समलैंगिकों के लिए रास्ता साफ कर दिया।
- **2008**- सशक्त बलों के वेतन में विसंगतियों के लिए गठित मंत्रियों के समूह ने प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को अपनी रिपोर्ट सौंपी।
- **2007** - फ्रेंच गुआना के गौस अंतरिक्ष केन्द्र से प्रक्षेपित किये गए यूरोप के एरियन रॉकेट ने अंतरिक्ष कक्षा में दो उपग्रह स्थापित किये।
- **2006** - भारत और पाकिस्तान ने स्थानीय निकाय के क्षेत्र में आपसी सहयोग के लिए एक संयुक्त कार्यदल का गठन किया।
- **2005** - ईरान ने ज़हरीली गैस से हज़ारों ईरानियों को मारने के आरोप पर सद्दाम हुसैन पर मुकदमा चलाने की मांग की।
- **2002** - दवाओं के दुरुपयोग के मसले पर दक्षेस देशों के स्वयंसेवी संगठनों की तीन दिवसीय बैठक काठमांडू में शुरू।
- **1989** - रोमानिया के राष्ट्रपति चाऊशेस्क्यू का तख्ता पलटा तथा वे देश छोड़कर भागते समय गिरफ्तार।
- **1978** - थाईलैंड ने संविधान अंगीकार किया।
- **1975** - दो आँखें बारह हाथ, झनक-झनक पायल बाजे, गूंज उठी शहनाई, संपूर्ण रामायण, गुड्डी और आशीर्वाद जैसी फिल्मों में संगीत देने वाले वसंत देसाई का निधन हुआ।
- **1971** - तत्कालीन सोवियत संघ ने जमीन के नीचे परमाणु परीक्षण किया।
- **1966** - जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जे.एन.यू.), नई दिल्ली की स्थापना जेएनयू अधिनियम के अन्तर्गत भारतीय संसद द्वारा की गई थी।
- **1961** - अमेरिका ने नेवादा में परमाणु परीक्षण किया।
- **1957** - ओहायो के कोलंबो चिड़िया घर में कोलो नामक गुरिल्ला के बच्चे का जन्म हुआ जो चिड़िया घर में पैदा होने वाला पहला गुरिल्ला था।
- **1947** - इटली की संसद ने नया संविधान अंगीकार किया।
- **1941** - यूगोस्लाविया में मार्शल टीटो ने सेना की नई ब्रिगेड का गठन किया।

तमिल संगमम: क्या देश और समाज का भला कर पाएगी दक्षिण को जोड़ने की सियासी कवायद

आर. राजगोपालन

तमिल संगमम दरअसल तमिल को हिंदी और तमिलवासियों को उत्तर भारतीयों से जोड़ने वाला एक प्रगतिशील कार्यक्रम है। यह कार्यक्रम उत्तर और दक्षिण भारत के बीच ऐतिहासिक एवं सभ्यता संबंधी कई पहलुओं से जुड़ा है। इसका प्रमुख उद्देश्य उत्तर व दक्षिण भारत की सांस्कृतिक परंपराओं को नजदीक लाना, देश की साझा विरासत की समझ विकसित करना और इन क्षेत्रों के लोगों के बीच संबंध को और मजबूत करना है। शिक्षा मंत्रालय द्वारा संस्कृति, कपड़ा, रेलवे, पर्यटन, खाद्य प्रसंस्करण, सूचना और प्रसारण आदि मंत्रालयों तथा उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग से आयोजित किए जा रहे इस कार्यक्रम का क्रियान्वयन आईआईटी, मद्रास और बनारस हिंदू विश्वविद्यालय द्वारा किया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि काशी और तमिलनाडु प्राचीन भारत में शिक्षा और संस्कृति के दो महत्वपूर्ण केंद्र थे। ऐसे में, इस कार्यक्रम का लक्ष्य साझा विरासत की समझ का निर्माण तथा इन दोनों क्षेत्रों के लोगों के बीच आपसी संबंधों को मजबूत करते हुए ज्ञान और संस्कृति की इन दो परंपराओं को एक साथ लाना है। दो संस्कृतियों के बीच प्राचीन बौद्धिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और कारीगरी संबंधों के बारे में फिर से जानकारी प्राप्त करना और इन्हें सशक्त बनाना भी इस उत्सव का लक्ष्य है। इस कार्यक्रम के दौरान तमिलनाडु और वाराणसी के विभिन्न सांस्कृतिक समूह काशी में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर रहे हैं।काशी तमिल संगमम कार्यक्रम हमारी ज्वलंत संस्कृति और भारतीयों के बीच गहरे तक जुड़े संबंधों का जश्न मनाता है। यह %एक भारत, श्रेष्ठ भारत% की भावना को आगे बढ़ाता है, जिसकी पहचान आध्यात्मिक विश्वासों में भी निहित है। काशी तमिल संगमम के दूसरे संस्करण में साहित्य, प्राचीन ग्रंथ, दर्शन, अध्यात्म, संगीत, नृत्य, नाटक, योग और आयुर्वेद पर व्याख्यान भी होंगे। इसके अतिरिक्त, 'नवाचार, व्यापार, ज्ञान विनिमय, शिक्षा तकनीक और अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकी' पर संगोष्ठी कराने की योजना बनाई गई है। लेकिन इसके गहरे राजनीतिक निहितार्थ भी हैं।

भाजपा दरअसल, तमिलनाडु के द्रविड़ तर्क में राष्ट्रवाद को पिरोना चाहती है। अपने 'मन की बात' कार्यक्रम में मोदी वाराणसी में एक वार्षिक उत्सव के रूप में काशी तमिल संगमम को मनाने की बात बार-बार दोहराते रहे हैं। संगमम का उद्घाटन करते वक्त खुद प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस संगमम की गूंज पूरी दुनिया में सुनाई देगी। उन्होंने यह भी कहा कि तमिलनाडु से काशी आने का मतलब है कि महादेव के एक घर से दूसरे घर में जाना। तमिलनाडु से काशी आने का मतलब है, मदुरै मीनाक्षी के यहां से काशी विशालाक्षी के यहां आना। इसीलिए तमिलनाडु और काशीवासियों के बीच हृदय में जो प्रेम है, जो संबंध है, वह अलग और अद्वितीय है। पंद्रह दिनों के इस आयोजन में कई सांस्कृतिक कार्यक्रम होने हैं। महाकाव्यों का वाचन, सेमिनार और उत्तर प्रदेश के मंदिरों की झलक भी देखने को मिलेगी। काशी तमिल संगमम भारत की सांस्कृतिक विविधता का प्रतीक है और %एक भारत, श्रेष्ठ भारत% की भावना को मजबूत करता है। दोनों भौगोलिक क्षेत्रों के बीच काव्यात्मक संबंध केदार घाट पर संत-कवि तिरुवल्लुवर की प्रतिमा में भी परिलक्षित होते हैं।

तमिलनाडु के प्रतिनिधि वाराणसी की जीवंत सांस्कृतिक सहानुभूति का अनुभव कर रहे हैं और मनमोहक प्रस्तुतियां गंगा के किनारे स्थित पवित्र शहर की साझा संस्कृतियों की कालातीत कहानी बता रही हैं। इससे पहले थिरुक्कुरल को 16 अनुवादित संस्करणों (10 भारतीय भाषाओं, पांच विदेशी भाषाओं) और ब्रेल लिपि में जारी करने से जनमानस में भाजपा की सकारात्मक छवि बन रही है। इसके अलावा, उनकी खास पहल पर मणिमेखलाई सहित 46 तमिल व्याकरण ग्रंथों, संगम साहित्य और शास्त्रीय तमिल ग्रंथों के अनूदित संस्करण जारी करने से तमिल भाषियों में उनका सम्मान बढ़ा है। जाहिर है कि एक खास उद्देश्य से शुरू किए गए इस संगमम को भाजपा पूरी गंभीरता से ले रही है। इससे काशी और तमिलवासियों के सांस्कृतिक एकीकरण का विचार द्रविड़ आंदोलन के मानस में गहराई से उतारने में कामयाबी मिली है। लोकसभा चुनाव से पहले दक्षिण को साधने के उद्देश्य के साथ भाजपा ने काशी से कन्याकुमारी के बीच ट्रेन चलाई है। इसी ट्रेन से तमिलनाडु से आमंत्रित लोगों को बनारस लाया जा रहा है। मेहमानों की देखभाल का जिम्मा केंद्र सरकार के कई विभागों को दिया गया है।

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने भी इन्हें विशेष अतिथि का दर्जा दिया है। साथ ही सरकारी खर्च पर सभी को प्रयागराज और अयोध्या घुमाने की व्यवस्था भी की गई है। इन सभी प्रयासों की वजह सिर्फ यही है कि उत्तर और दक्षिण को जोड़ा जाए। इसके अलावा, तथ्य यह भी है कि मोदी, योगी और अमित शाह की त्रिमूर्ति ने सधे कदमों के साथ दक्षिण भारत के संदर्भ में एक नई नीति पर चलने का फैसला किया। ठीक वैसे ही जैसे भाजपा ने वर्ष 2019 में अपने दूसरे कार्यकाल के बाद जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने का फैसला लिया था। भाजपा कुछ वैसा ही दक्षिण भारत में अपने वोटों में इजाफा करने के लिए करना चाह रही है। वर्ष 2024 में अपने तीसरे कार्यकाल की चाह रखने वाली भाजपा ने इस संगमम के जरिये उत्तर व दक्षिण के बीच एक सांस्कृतिक सेतु स्थापित किया है। भाजपा समझ गई है कि द्रविड़ अवधारणा तेजी से अपना प्रभाव खो रहे हैं। ऐसे में यही समय है, जब राष्ट्रवाद की अवधारणा को वहां जगह दी जाए।

काशी तमिल संगमम का एक राजनीतिक कारण तेलंगाना में कांग्रेस की जीत भी है। जाहिर है कि अब भाजपा के लिए दक्षिण की ओर देखो नीति को आगे बढ़ाने का समय आ गया है। कुछ नेताओं ने ट्वीट किया कि कांग्रेस दक्षिण के लिए और भाजपा उत्तर के लिए है। दिलचस्प बात यह है कि मोदी इसी विचार पर प्रहार कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने काशी तमिल संगमम के उद्घाटन समारोह में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग अपने भाषण में भी किया, जिसकी बदौलत तमिल छात्रों को रिअल टाइम में तमिल में प्रधानमंत्री मोदी के भाषण को सुनने का रोमांचक अवसर मिला। इस तकनीक की बदौलत प्रधानमंत्री मोदी के सभी बाधाओं को ध्वस्त करते हुए बगैर मानवीय हस्तक्षेप के लक्ष्यों को पाने के विजन की ओर बढ़ने में मदद मिलेगी।

साभार : यह लेखक के अपने विचार हैं।

कॉप-28 जलवायु सम्मेलन

दुनिया बचाने के आधे-अधूरे प्रयास

ज्ञानेन्द्र रावत

पिछले दिनों दुबई में लगभग दो सप्ताह चले दुनिया के तकरीबन 200 देशों के कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज़-28 के आयोजन के पीछे भी यही आकांक्षा थी कि इसमें जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को रोकने और भविष्य में उससे मिलने वाली चुनौतियों से कैसे निपटा जाये। दरअसल, वर्ष 2015 के पेरिस समझौते का मुख्य मकसद ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को इस हद तक कम करना था ताकि वैश्विक तापमान में वृद्धि औद्योगिक काल से पूर्व के स्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस से अधिक न होने पाये। हकीकत यह रही कि इस दिशा में जो भी प्रयास किये गये वे ऊंट के मुंह में जीरा ही साबित हुए। सबसे बड़ी बात इस हेतु जो संरचनात्मक ढांचे की जरूरत थी, वे निर्मित ही नहीं किये गये। दरअसल इनके बारे में सोचा ही नहीं गया। फिर जिस सामाजिक भागीदारी की बेहद जरूरत थी, उसकी तो कल्पना ही नहीं की गयी। जबकि वैश्विक स्तर पर ऐसी चुनौतियों से निपटना सामाजिक भागीदारी के बिना असंभव है। उम्मीद थी कि कॉप-28 में इस दिशा में मंथन होगा।

गौरतलब है कि दुबई में जलवायु सम्मेलन ऐसे समय हुआ जब दुनिया जलवायु परिवर्तन के खतरों का बुरी तरह से सामना कर रही है। जलवायु परिवर्तन से दुनिया को होने वाला नुकसान साल-दर-साल बढ़ता जा रहा है। इससे हर साल दुनिया को अरबों डालर की चपत लग रही है। हकीकत में दुनिया की जीडीपी को 1.8 फीसदी का नुकसान हो रहा है जो करीब 1.5 खरब डालर के बराबर है। वहीं भारत को करीब 8 फीसदी का नुकसान उठाना पड़ रहा है। वर्ष 2022 में भारत को करीब 30 अरब डालर का नुकसान उठाना पड़ा है।लगातार गर्म होती दुनिया के लिए बहुत बड़ा खतरा बन रहा है सूखा। भारत सहित दुनिया के 23 देश गंभीर सूखे की मार झेल रहे हैं। ग्लेशियरों के पिघलने से पर्वतीय देशों के

लिए खतरा बढ़ रहा है। उसे देखते हुए 2100 तक ग्लोबल वार्मिंग में तीन डिग्री की बढ़ोतरी होती है तो उस स्थिति में खाड़ी देश रहने काबिल नहीं रहेंगे। रिपोर्ट के अनुसार जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से कोई अछूता नहीं है। इसका प्रभाव गरीबों पर ही नहीं, इंसान के मस्तिष्क और हृदय पर भी घातक प्रभाव पड़ रहा है। यहां तक जानवर भी इसके दुष्प्रभाव से अछूते नहीं रहे हैं।

इस सम्मेलन में पहली बार जलवायु परिवर्तन के संकट की व्यापकता और इस बारे में तत्काल कार्रवाई की जरूरत महसूस की गयी। इस सत्य को स्वीकार भी किया गया कि संकट के समाधान हेतु हमें आपस में न केवल सहयोग करना होगा बल्कि साथ-साथ इसका मुकाबला करना होगा। बावजूद इसके कि संपन्न और वंचित देशों के बीच विभाजन की खाई पहले की तरह बरकरार बनी रही।जलवायु परिवर्तन की समस्या के मुकाबले के लिए सबसे बड़ी जरूरत पूंजी की है, कोष की है। यह मामला बरसों से विकसित देशों की इस बाबत आनाकानी के चलते उलझा हुआ है। सम्मेलन के अंतिम दिन जो सहमति बनी उसके अनुसार, सभी देश जीवाश्म ईंधन की जगह स्वच्छ ऊर्जा की ओर रुख करें। फिर भी वर्ष 2050 तक नेट जीरो तक पहुंचने, हरित ऊर्जा को साल 2030 तक तीन गुना तथा ऊर्जा दक्षता को दोगुना करने, ट्रांजिशन फ्यूल का जिक्र करने, देशों को अपने स्वैच्छिक जलवायु लक्ष्य 2024 तक पूरे करने और अमीर देशों द्वारा अपने जंगलों को कार्बन ऑफसेट के रूप में उपयोग करने के लिए गरीब देशों को भुगतान करने की बात सम्मेलन में हुई। यदि इसको सम्मेलन की सफलता बनाया जा रहा है तो इसे उपलब्धि तो नहीं माना जा सकता।

सवाल यह है कि कार्बन कैप्चर तकनीक के जरिये नेट जीरो की राह बेहद खर्चीली है। इस तकनीक से 2050 तक नेट जीरो लक्ष्य हासिल करने के लिए दुनिया को 30 खरब डालर की राशि अधिक खर्च करनी पड़ेगी। विशेषज्ञों की नजर में इस तकनीक पर निर्भर रहना उचित नहीं है क्योंकि इससे सरकारें खुद को प्रतिस्पर्धी नुकसान की स्थिति में डाल लेंगी। सबसे बड़ी विफलता यह ही है कि सम्मेलन में गरीब और विकासशील देशों को जलवायु लक्ष्य हासिल करने के लिए धन की आवश्यकता कैसे पूरी होगी। साथ ही ऐतिहासिक प्रदूषकों की जवाबदेही क्या और कैसे तय होगी, ग्लोबल साउथ के लिए जलवायु लचीलापन और कम कार्बन ऊत्सर्जन की दिशा में बदलाव के वित्त पोषण के लिए प्रभावी तंत्र कैसा बनेगा। इस पर और जीवाश्म ईंधन के उत्पादन और खपत की कटौती के मामले में कोई खुलासा न होना संदेह उत्पन्न करता है। फिर वित्त के मामले पर स्पष्टोक्ति का अभाव और मीथेन उत्सर्जन में कमी का लक्ष्य निर्धारण न होना और अनुकूलन प्रयासों में तेजी लाने के प्रयासों के लक्ष्य का घोषित न किया जाना, पेरिस समझौते के अक्षरशः पालन के सवाल पर चुप्पी सम्मेलन की सफलता के दावे पर सवालिया निशान लगाते हैं।हमें यह समझ लेना होगा कि चुनौती बहुत बड़ी है। केवल प्रस्तावों से कुछ नहीं होने वाला। वैश्विक तापमान वृद्धि के लिए सर्वाधिक जिम्मेदार घरेलू कार्यों, परिवहन और बिजली उत्पादन आदि के लिए जीवाश्म ईंधन के उपयोग का सवाल जटिल है। इस पर अंकुश बेहद जरूरी है। लेकिन 2050 तक जलवायु संकट के प्रमुख कारक जीवाश्म ईंधन न्यायसंगत तरीके से खत्म किये जाने पर सहमति एक अच्छा संकेत तो है लेकिन इसके लिए 27 वर्ष का समय देना न्यायोचित नहीं है। उस स्थिति में ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में त्वरित कटौती की बात और स्वच्छ दुनिया की उम्मीद करना बेमानी है।

साभार : यह लेखक के अपने विचार हैं।

खाद्य पदार्थ विक्रेताओं के खाद्य लाइसेंस बनाने के लिए लगाए जा रहे विशेष कैंप

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

खाद्य एवं औषधि प्रशासन के खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने गुरुवार को नगरपालिका सोहागपुर एवं नगर पालिका सिवनीमालवा में मांस, मछली, अंडा एवं अन्य खाद्य पदार्थ विक्रेताओं के खाद्य लाइसेंस के विशेष कैंप का आयोजन किया गया जिसमें सोहागपुर क्षेत्र में नगर पालिका द्वारा लगभग 48 आवेदन प्राप्त हुए, जिसमें नगरपालिका द्वारा 37 अनापत्ति प्रमाण पत्र मांस मछली अंडा विक्रेताओं को जारी कर लाइसेंस आवेदन कराएं गए। इसी प्रकार सिवनीमालवा नगर पालिका में आयोजित कैंप में लगभग 55 मांस मछली विक्रेताओं द्वारा आवेदन किया गया जिसमें नगर पालिका द्वारा 32 अनापत्ति मांस, मछली, अंडा विक्रेताओं को जारी की गई।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी कमलेश दियावार और जितेंद्र सिंह राणा द्वारा शिविर में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के प्रावधानों के अंतर्गत खाद्य लाइसेंस रजिस्ट्रेशन की आवश्यक जानकारी दी गई। 22 दिसंबर को पिपरिया एवं बाबई में तथा 23 दिसंबर को बनखेड़ी में उक्तानुसार नगरपालिका परिसर में कैंप आयोजित किए जाएंगे। सभी खाद्य व्यवसायी उक्त कैंप में आकर अपने खाद्य लाइसेंस बनवा सकते है।

तुलसी कप क्रिकेट टूर्नामेंट प्रारंभः स्वर्गीय खापरे को दी श्रद्धांजलि

रंगकर्मी एकादश एवं मालाखेड़ी एकादश के बीच खेला गया मैच

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

जनपद भूमि खेल परिसर मालाखेड़ी में आयोजित अंतर विद्यालयीन क्रिकेट प्रतियोगिता तुलसी कप का शुभारंभ हुआ. प्रतियोगिता के प्रारंभ में क्रिकेट खिलाड़ी राकेश खापरे के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इसके बाद 10 मिनट के लिए अवकाश लिया गया। तदुउपरांत प्रतियोगिता का विधिवत शुभारंभ हुआ. इस अवसर पर फाइन वर्क समाज सेवी संस्था के जमील खान तथा उनके साथी रंगमंच कर्मी एवं सनराइज स्कूल के प्राचार्य डीएस राजपूत तथा तुलसी कप आयोजन समिति के सदस्य उपस्थित थे।

रंग कर्मियों ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 ओवर में चार विकेट खोकर 110 रन बनाए मोहसिन खान ने चार छक्कों के साथ नौ गेंद में 26 रन बनाए अनस में 15 गेंद पर शानदार 51 रन बनाए जिनमें 6 सिक्स तथा 3 फोर शामिल है मालखेड़ी के सुफियान ने दो तथा प्रशांत एवं राधे ने एक-एक विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए मालाखेड़ी टीम 8 ओवर

समाप्त होने तक 9 विकेट खो कर 86 रन बना पाई।

दीपू ने दो चौके तथा दो छक्कों के साथ सात गेंद पर 23 रन बनाए. चेतन ने दो बाल पर दो छक्के लगाकर 12 रन बनाए शाहिद ने तीन तथा बादशाह एवं जाहिद ने दो-दो विकेट लिए।

कृषक कृषि अवसंरचना निधि योजना का लाभ उठाएं: कलेक्टर

कृषि अवसंरचना निधि योजना तथा एमपी फार्म गेट एप की एक दिवसीय कार्यशाला

नर्मदापुरम , दोपहर मेट्रो

भारत सरकार की योजना कृषि अवसंरचना निधि (एआइएफ) की विशेषताओं तथा एमपी फार्म गेट एप का प्रचार-प्रसार करने कृषकों, व्यापारियों, उद्यमियों, विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों को इन योजनाओं की मुख्य विशेषताएँ जैसे फसलोपरांत प्रबंधन एवं सामुदायिक खेती संबंधित परियोजना की जानकारी देने के उद्देश्य से कृषि विस्तार एवं प्रशिक्षण केंद्र, पवारखेड़ा नर्मदापुरम में कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कलेक्टर नीरज कुमार सिंह के मुख्य आतिथ्य में कार्यशाला का शुभारम्भ किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ सौजान सिंह रावत उप संचालक कृषि जे.आर हड़ाऊ कार्यशाला में उपस्थित रहे। कार्यशाला के प्रारंभ में मंडी बोर्ड के अपर संचालक चंद्रशेखर वशिष्ठ द्वारा उपस्थित समस्त अतिथियों का स्वागत किया गया।

कृषि अवसंरचना निधि योजना की प्रशंसा करते हुए इस महत्वपूर्ण अवसर का लाभ उठाने के लिए कलेक्टर श्री सिंह द्वारा मार्गदर्शन दिया। अपने उदबोधन में कलेक्टर श्री सिंह द्वारा एआईएफ योजना तथा एमपी फार्म गेट ऐप की उपयोगिता बताई गई, जिसमें कृषकों को उनकी कृषि उपज का अधिकतम मूल्य एवं उनके रखरखाव के संबंध में जानकारी दी गई तथा उपस्थित प्रतिभागियों से व्यक्तिगत रूप से चर्चा की, साथ ही इन योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने हेतु आव्हान किया गया। इस कार्यशाला में महिला प्रतिभागियों द्वारा भी बड़ी संख्या में हिस्सा लिया गया।

देश में कृषि अधोसंरचना सुधार के क्रम में वित्तीय सहायता देने के उद्देश्य से कृषि अवसंरचना निधि (AIF) योजना का संचालन किया जा रहा है। जिसमें एक लाख करोड़ रुपये का भारत सरकार द्वारा कोष सृजित किया गया है। योजना में बैंकों से ऋण लेने पर दो करोड़ की राशि स्वीकृत होने पर तीन प्रतिशत प्रतिवर्ष की ब्याज की छूट हितग्राही को उपलब्ध कराई जा रही है।

कार्यशाला के द्वितीय चरण में अपने घर खलियान से अपनी कृषि उपज अपने दाम पर विक्रय करने की सुविधा, कृषि विक्रय में होने वाले खर्चों में कटौती, मंडी में होने वाली भीड़ से बचत आदि सुविधाओं के संबंध में एमपी फार्म गेट ऐप से संबंधित उपयोगिता किस तरह से उक्त ऐप को एंड्राइड मोबाइल पर गूगल प्ले स्टोर पर जाकर डाउनलोड किया जा सकता है तथा उक्त ऐप को किस तरह से इस्तेमाल किया जा सकता हैग विषय पर विस्तार से प्रस्तुतीकरण अपर संचालक मंडी बोर्ड चंद्रशेखर वशिष्ठ द्वारा किया गया। कार्यशाला में बड़े स्तर पर नर्मदापुरम जिले की 07 मंडियों से आए हुए व्यापारियों तथा कृषकों द्वारा अपनी जिज्ञासा अनुरूप प्रश्न पूछे गए जिसका समाधान कारक उत्तर उपस्थित विशेषज्ञों द्वारा दिया गया।

कार्यशाला में पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से एआईएफ पर खुलकर उपयोगी चर्चा हुई जिसमें अवगत कराया गया कि उक्त योजना के तहत वेयरहाउस , कोल्ड स्टोरेज, राइपिंग चेंबर, प्राइमरी प्रोसेसिंग यूनिट, दाल मिल, फ्लोर मिल, आटा मिल, कस्टम हायरिंग सेंटर, मसाला उद्योग, बांस प्रोसेसिंग उद्योग इत्यादि में योजना का लाभ ले सकते हैं। एआईएफ पोर्टल का तकनीकी प्रशिक्षण भी वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दिया गया।

कार्यशाला में हितग्राहियों को हर संभव सहायता मुहैया कराना और इससे लाभान्वित होने का आह्वान किया। एआईएफ योजना में अभी तक नर्मदापुरम जिले में 516 आवेदनों में 436.38 करोड़ रुपये तथा प्रदेश में 7061 आवेदनों में 5717.72 करोड़ रुपये की राशि बैंको द्वारा स्वीकृत की जा चुकी है जिससे म.प्र. देश में प्रथम स्थान पर हैं।

कार्यशाला में मंडी बोर्ड के अपर संचालक चंद्रशेखर वशिष्ठ, उपसंचालक, डॉ. पूजा सिंह, चीफ प्रोग्रामर संदीप चौबे, सहायक संचालक एआईएफ गोविंद शर्मा, मंडी सचिव नर्मदापुरम एस.के भालेकर, सहायक उपनिरीक्षक आदित्यराज सिंह तथा बड़ी संख्या में कृषि विभाग, उद्यानिकी, नाबार्ड बैंक व मंडी समितियों के सचिव एवं कर्मचारी, मीडिया के साथी सहित किसान एवं व्यापारी प्रतिनिधि कार्यशाला में सम्मिलित हुए।

ऊर्जा संरक्षण सप्ताह के तहत स्कूल में चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी लिमिटेड वृत्त नर्मदापुरम द्वारा राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण सप्ताह 2023 के तहत 21 दिसम्बर 2023 को सत्यम फाउन्डेशन स्कूल रसूलिया नर्मदापुरम में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन उप महाप्रबंधक एवं नोडल अधिकारी सुमित अग्रवाल के मार्गदर्शन में किया गया, जिसमें 70 बच्चे सम्मिलित हुये, प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार कुमारी रिया सिंह कक्षा 7 वी, द्वितीय पुरस्कार प्रत्युश राजपूत कक्षा 5 वी एवं तृतीय पुरस्कार मयूरी सोलंकी कक्षा 7 वी को मिला। पुरस्कार प्राप्त बच्चों को स्मृति चिन्ह, नगद राशि तथा सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर स्वलपाहार कराया गया। महाप्रबंधक बी.बी.एस. परिहार के द्वारा बताया गया कि, ऊर्जा का संरक्षण करना एवं नवकरणीय ऊर्जा के स्त्रोतो को अपनाना भविष्य की नई पीढी के लिए अत्यन्त आवश्यक है।

अलंकरण समारोहः नेहरु कॉलेज ने नई परंपरा के तहत पूर्व छात्र पटेल को किया सम्मानित

सोहागपुर, दोपहर मेट्रो

जवाहरलाल नेहरू स्मृति महाविद्यालय में डॉअरविंदसिंह चौहान स्मृति साहित्य अलंकरण, प्रतिभा सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि अरुण पटेल कार्यकारी संपादक अमृत संदेश को सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में इस वर्ष से महाविद्यालय के ही किसी छात्र को बुलाने का निर्णय किया गया था और पटेल 2 वर्ष तक महाविद्यालय के छात्रसंघ के महासचिव तथा महाविद्यालय की छात्रसंघ की प्रथम स्मारिका और रजत जयंती स्मारिका के प्रधान संपादक रहे हैं।वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में पूर्व विधायक सविता दीवान शर्मा तथा साहित्यकार सुरेश पटवा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। पंडित मनमोहन मुदगल, महाविद्यालय के सचिव हमीरसिंह चंदेल, प्राचार्य एन के नीखरा, पूर्व नपाध्यक्ष अभिलाष सिंह चंदेल आदि उपस्थित थे।

कार्यक्रम में डॉ अरविन्द सिंह चौहान पत्रकारिता सम्मान प्रमोद पगारे को प्रदान किया गया। साहित्यकार प्रो. अखिलेश राव इंदौर एवं साहित्यकार एवं वरिष्ठ कवि नारायण श्रीवास्तव करेली को शिक्षाविद डॉ अरविंद सिंह चौहान स्मृति साहित्य अलंकरण प्रदान कर सम्मानित किया गया ।

मेट्रो एंकर | जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में पहुंची विकसित भारत संकल्प यात्रा

शिविर आयोजित कर हितग्राहियों को किया गया लाभान्वित, योजनाओं की दी गई जानकारी

रायसेन, दोपहर मेट्रो

प्रदेश के साथ ही रायसेन जिले में भी विकसित भारत संकल्प यात्रा आयोजित की जा रही है। गुरूवार को सिलवानी विकासखण्ड की ग्राम पंचायत सिवनी तथा दिल्हारी में, उदयपुरा विकासखण्ड की ग्राम पंचायत करहैयाकला तथा ईटुआ में, बाड़ी विकासखण्ड की ग्राम पंचायत पिपरिया करनसिंह तथा सिलवाह में, बेगमगंज विकासखण्ड की ग्राम पंचायत चंदौरिया तथा कोहनिया में, सांची विकासखण्ड की ग्राम पंचायत महूँपथरई तथा सालेरा में, औबेदुल्लागंज विकासखण्ड की ग्राम पंचायत करमोदा तथा बरखेड़ा में और गैरतगंज विकासखण्ड की ग्राम पंचायत सांकल तथा मुड़ियाखेड़ा में विकसित भारत संकल्प पहुंची तथा शिविरों का आयोजन किया गया।

विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत गुरूवार को ग्राम पंचायतों में आयोजित शिविरों के प्रारंभ में जनप्रतिनिधियों द्वारा आईईसी वैन (प्रचार रथों) का तिलक लगाकर स्वागत किया गया। इसके उपरांत शिविरों में शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं तथा कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। साथ ही पात्र हितग्राहियों को योजनाओं के हितलाभ भी वितरित किए गए। शिविरों में आईईसी वैन द्वारा एलईडी के माध्यम से शासन की विभिन्न संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदर्शित की गई। इसके अतिरिक्त शिविरों में पूर्व में शासन की योजनाओं का लाभ प्राप्त करने वाले हितग्राहियों द्वारा मेरी कहानी-मेरी जुबानी अंतर्गत योजना का लाभ पाने के बाद जीवन में आए बदलावों और आर्थिक उन्नति के बारे में अवगत कराया गया। शिविरों में स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति भी दी गई। साथ ही सूर्यनमस्कार सहित योग आसनों का भी प्रदर्शन किया।

ग्राम पंचायतों में स्वास्थ्य शिविर भी आयोजित

विकसित भारत संकल्प यात्रा अंतर्गत ग्राम पंचायतों में स्वास्थ्य शिविर भी आयोजित किए जा रहे हैं। जिनमें स्वास्थ्य विभाग और आयुष विभाग द्वारा ग्रामीणों का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण करते हुए आवश्यक परामर्श और उपचार भी किया जा रहा है। साथ ही आयुष्मान भारत सहित अन्य योजनाओं की जानकारी देते हुए आयुष्मान कार्ड और आभा आईडी बनाने हेतु आवेदन भी प्राप्त किए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त कृषि विभाग द्वारा किसानों के समक्ष ड्रोन के माध्यम से खेतों में उर्वरकों के छिड़काव का भी प्रदर्शन किया जा रहा है। साथ ही मृदा स्वास्थ्य परीक्षण भी किया जा रहा है।

एसडीएम एसडीओपी ने खड़े होकर, बस स्टैंड से हटवाया अतिक्रमण

तोड़े स्थाई-अस्थाई अतिक्रमण, जेसीबी से तोड़े शेड, बस स्टैंड पर मोड़ होगा चौड़ा

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

पिछले एक सप्ताह से नगर को अतिक्रमण मुक्त बनाने के लिए एसडीएम के निर्देश पर नगर पालिका के द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। वही नगर पालिका की चेतावनी के बाद भी अतिक्रमण नहीं हटने वालों पर गुरुवार को दोपहर 12 बजे के करीब नवीन बस स्टैंड पर पहुंच कर एसडीएम हर्षल चौधरी, एसडीओपी उमेश कुमार त्रिपाठी, नगर पालिका सीएमओ राम प्रकाश साहू थाना प्रभारी संदीप सिंह पवार भारी संख्या में पुलिस बल तथा नगर पालिका प्रशासन का बड़ा महकमा मौजूद था। अतिक्रमण पर कड़ी कार्रवाई करने के लिए नगर पालिका की जेसीबी, ट्रैक्टर ट्रालियों को लेकर एसडीएम पहुंचे उन्होंने स्वयं खड़े होकर एक तरफ से कार्रवाई को प्रारंभ करवाया क्योंकि नगर पालिका की चेतावनी के बाद भी नवीन बस स्टैंड से कई रसूखदार दुकानदार अतिक्रमण नहीं हटा रहे थे। इनके अतिक्रमण जेसीबी की सहायता से तोड़ने का कार्य किया गया। अधिकांश की सामग्री को भी नगर पालिका के अमले ने जप्त कर लिया कार्रवाई के दौरान बड़ी संख्या में नगर पालिका का अमला मौजूद था। कुछ दुकानदार विरोध करने का प्रयास करते हुए नजर आए पर एसडीएम, एसडीओपी की सख्ती ओर भारी पुलिस तथा नगर पालिका के अमले को देखकर विरोध करने वाले दुकानदार भी चुपचाप अपना अतिक्रमण हटाने में जुट गए। संयुक्त रूप से आती बढ़ाने की कार्रवाई ऐसे दुकानदारों पर की गई जिन्होंने सीमा रेखा के बाहर टीन सेट कर लिए थे उनके टीने सेटों को जेसीबी से तोड़कर जप्त करने का काम किया एक दुकानदार के द्वारा अतिक्रमण करके खाने के तंदूर जल रखे थे उनको भी जेसीबी से अंदर किया गया। सब्जी मंडी में हो रहा है अतिक्रमण को भी जेसीबी की सहायता से हटाने का काम किया इसमें बड़ी संख्या में गुमठी है टपरे डाले हुए थे उनको तोड़ दिया गया दूसरी ओर एक दुकानदार ने यहां पर कुछ पक्क अतिक्रमण भी कर लिया था उसको भी जेसीबी से जमींदोज कर दिया । प्रशासन की यह कार्रवाई भेदभाव रहित रही इस वजह से कोई पक्षपात के आरोप भी नहीं लग पाया एक तरफ से कार्रवाई प्रारंभ हुई तो अतिक्रमण धारी में हड़कंप मच गया इस दौरान कुछ अतिक्रमण धारी प्रशासन की कार्रवाई से बचने के लिए टीन सेटों को अंदर करने में लग रहा है।

ठेले लगाने की जगह पर किया अतिक्रमण – बस स्टैंड के सामने सब्जी मंडी में हौकर जॉन बनाते हुए यहां पर फेरी वालों के लिए फल सब्जी आदि बेचने के लिए जगह चिन्हित की गई थी और उनको यहां पर अपना व्यापार करने के लिए जगह निर्धारित की गई थी। फल सब्जी के ठेले लगते ही नहीं है कई ऐसे लोगों ने गुमठी टपरे डालकर अतिक्रमण जरूर कर लिया है। साथ यहां पर नगर पालिका की दुकानों के बाहर भी बड़ी संख्या में दुकानदारों ने भी अतिक्रमण कर लिया था यहां पर यातायात का दबाव हमेशा रहता है इसके बाद भी अतिक्रमण होने से और समस्या बिगड़ गई थी उस समस्या से भी अतिक्रमण हटाने पर काफी हद तक मुक्ति मिल जाएगी।

दुकानों का होगा निर्माण – नगर पालिका सीएमओ राम प्रकाश साहू ने बताया कि यहां नगर पालिका परिषद के द्वारा 10 से अधिक दुकानों का निर्माण करवाया का जिसका प्रस्ताव पहले से ही नगर पालिका में पास हो चुका है शेष जगह पर ठेले वालों को व्यापार करने के लिए जगह निर्धारित की जाएगी।

विधायक शर्मा के निर्देषन में किए जा रहे कार्य

नपा सीएमओ राम प्रकाष साहू ने बताया कि विधायक उमाकांत शर्मा के सख्त निर्देष है कि शहर को धूल मुक्त और सुंदर व स्वच्छ बनाए जाए। विधायक उमाकांत शर्मा के निर्देषन में नगर पालिका द्वारा प्रतिदिन शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने का कार्य किया जा रहा है। शहर में जाम की समस्या, अतिक्रमण, सी.सी सड़क का निर्माण कार्य किया तेजी से किया जा रहा है और वही नगर के पुराना बस स्टेण्ड पर विद्युत से सुसज्जित सैल्फी पांइट बनाया गया है साथ ही उक्त सैल्फी पांइट के आसपास स्टील की रैलिंग व कारपेट बिछाया गया है। वही जाम की समस्या को देखते हुए कुछ विद्युत पोलो भी हटाकर सड़क के किनारो पर लगाया गया है और जहां जहां धूल की समस्या का सामना नागरिकों को करना पडता था वहा पर सीसीकरण किया जा रहा है। नपा द्वारा जल्द ही शहर के अन्य चौराहे पर सौदर्यकरण कर चौराहो को और भी सुंदर बनाया जाएगा।

मोड को किया जाएगा चौड़ा

बस स्टैंड पर मोड़ की जगह सकरी होने के कारण यातायात बाधित होता है उसको मुक्त करने के लिए एसडीएम हर्षल चौधरी ने नगर पालिका सीएमओ को सड़क को चौड़ा करके यहां पर मोड काम करने के दिशा निर्देश दिए हैं। यदि यहां पर सीसी डालकर सड़क चौड़ी हो जाती है तो बस स्टैंड पर मोड़ के दौरान जो जाम हालात निर्मित होते हैं उस से काफी हद तक मुक्ति मिल जाएगी यहां पर यातायात का दबाव रहता है ।

3 माह तक जारी रहेगी अतिक्रमण पर कार्यवाही

नपा सीएमओ राम प्रकाश साहू ने बताया कि नपा द्वारा चलाई जा रही अतिक्रमण मुहिम 3 माह तक जारी रहेंगी। वही तीन माह बाद माह में दो बार नपा द्वारा अतिक्रमण पर कार्यवाही की जाएगी। शहर को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए प्रतिदिन नपा द्वारा कार्यवाही की जा रही है। नपा अमले ने नया बस स्टेण्ड से लेकर बलेजा पेट्रोल पंप कर अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की साथ ही 15 अतिक्रमणधारियों पर चालानी कार्यवाही की गई। वही सीएमओ ने बताया कि मुहिम प्रारंभ से अभी तक लगभग 50 से अधिक अतिक्रमणधारियों पर नपा द्वारा चालानी कार्यवाही करते हुए 15 हजार की राजस्व राशि प्राप्त की जा चुकी है।

इनका कहना है -

संयुक्त रूप से अतिक्रमण हटाने के लिए अभियान प्रारंभ किया गया है अभियान लगातार जारी रहेगा भेदभाव रहित कार्रवाई हो रही किसी का भी अतिक्रमण नहीं छोड़ जाएगा।

हर्षल चौधरी, एसडीएम सिरोंज

यातायात पुलिस ने 16 वाहन चालकों पर की चालानी कार्रवाई, 9900 रुपए वसूले

सिरोंज। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर यातायात पुलिस के द्वारा भांजे के अभियान प्रारंभ किया गया है। गुरुवार को जिले से आए दल की मौजूदगी में संयुक्त रूप से 16 बहन चालकों पर चालानी कार्रवाई करते हुए 9900 रुपए सम्मान शुल्क भी वसूली भी हुई चालानी कार्रवाई की जानकारी देते हुए यातायात प्रभारी सूबेदार रितेश वाघेला ने बताया कि उक्त कार्रवाई हमने यातायात विदिशा की संयुक्त रूप से की जिसमें इंटरसेप्टर वाहन द्वारा तेज गति से चलने वाले वाहनों पर सिरोंज एवं लटेरी क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए मोटर व्हीकल एक्ट के तहत 16 वाहन चालकों पर चालानी कार्रवाई करते हुए 9900 रुपए समन शुल्क रूप में बसूले गए , संयुक्त रूप से की गई कार्यवाही मुख्य रूप से तेज गति से वाहन चलाने वाले चालको, नाबालिग बच्चों द्वारा वाहन चलाना, मोबाइल पर बात करते हुए वाहन चलाना, दो पहिया वहां पर तीन सवारी बैठाना, बिना हेलमेट, बिना रजिस्ट्रेशन नंबर प्लेट वाले वाहन तथा बिना सीट बेल्ट लगाए वाहन चलाने वाले चालको पर चलानी कार्रवाई की गई साथ ही सभी चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करके हिदायत देते हुए कहा कि पान चलाते समय सभी वाहन चालक यातायात नियमों का स्वयं भी पालन करें और अन्य परिचित को भी यातायात नियमों के प्रति जागरूक करे।

शमशाबाद नवोदय विद्यालय में गड़बड़ियों पर लगाम लगाना प्राचार्य को पड़ा महंगा, हुआ स्थानांतरण

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

शमशाबाद महनीम चौराहे पर संचालित होने वाले जवाहर नवोदय विद्यालय में विगत वर्ष छात्रों के हित में काम करने वाले प्राचार्य अरुण कुमार तिवारी आए थे। उन्होंने आते से ही गड़बड़ियों पर लगाम लगाते हुए छात्रों के हित में कदम उठाना प्रारंभ किया और गड़बड़ी करने वाले शिक्षकों पर लगाम लगाने के लिए कदम उठाया तो कुछ विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं ने रणनीति बनाकर उनकी गलत शिकायत करवा कर उनका स्थानांतरण करवा दिया। जबकि लंबे समय के बाद विद्यालय में बदलाव देखने को मिल रहा था यह यहां पर लंबे समय से काम करने वाले शिक्षक-शिक्षिकाओं को हजम नहीं हो रहा था इस वजह से प्राचार्य की झूठी शिकायत करवाई गई है। इस वजह से विद्यालय के छात्रों और पालकों में भी आक्रोश देखने को मिल रहा है। इन्होंने विद्यालय में पदस्थ होते ही गड़बड़ियों पर रोक लगाने और शिक्षकों को शिक्षा के स्तर में वृद्धि करने पर जोर दिया। तथा कुछ वर्ष पहले पालकों से अटल टिनटिन लैब के नाम पर राशि लेकर गड़बड़ी करने वालों पर कार्रवाई करने के लिए कदम उठाया तो। प्राचार्य अरुण कुमार तिवारी का स्थानांतरण जरूर हो गया जबकि इनके आने से स्कूल की व्यवस्थाओं में काफी बदलाव हो गया था जो निर्माण कार्य अधूरे पड़े हुए थे साथ ही जानबूझकर पढ़ाई में काम चोरी करने वाले शिक्षकों-शिक्षिकाओं पर लगाम लगाने का कार्य भी किया जा रहा था बच्चों को विद्यालय में बेहतर शिक्षा उपलब्ध हो इसके लिए नए-नए प्रयास भी किया जा रहे थे । क्योंकि सभी से इनका मधुर व्यवहार था कभी भी किसी को भी मिलने में कोई दिक्कत नहीं होती थी विद्यार्थियों से भी सीधा संवाद करते थे। उनकी परेशानियों को भी तत्काल दूर करते थे ऐसे प्राचार्य के आने से विद्यालय की उन्नति हो रही थी उस पर भी ब्रेक लग गया है।

आसिफ सईद कर रहे है सिरोंज का नाम रोशन

एनसीआरटी कोर्स की उर्दू पुस्तक की तैयारी के लिये बुलाया दिल्ली

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

सिरोंज के लोग उर्दू अदब में अपना झंडा कई देशों गाड़ चुके है, डा. आसिफ सईद भी उर्दू अदब में अपना योगदान दे रहे है, प्रदेश से एक विषय के लिये शिक्षा विभाग से एक शिक्षक को बुलाया गया है मध्य प्रदेश से डा. आसिफ सईद को एनसीएफ 2020 केएनसीआरटी कोर्स की उर्दू पुस्तक की तैयारी के लिये बुलाया दिल्ली बुलाया गया सिरोंज शहरवासियों को आसिफ सईद पर गर्व हो रहा है उनके मिलने वाले उन्हें बधाइयाँ दे रहे है, एडवोकेट शोयेब खांन, ताहिर इकबाल, हाफिज वसीम, असद खांन, हाफिज आरिफ खांन, समद इकबाल ने मुबारकबाद दी।

बस स्टैंड की प्याऊ को सर्व सुविधा युक्त बनाने के लिए एसडीएम ने दिए निर्देश

सिरोंज। नवीन बस स्टैंड पर स्थित प्याऊ की हालात देखरेख नहीं होने के कारण बहुत ही ज्यादा खराब हो गई है । एसडीएम हर्षल चौधरी ने इसका जायजा लेते हुए देखा की प्याऊ की सभी टोटिया टूटी पड़ी हुई थी जगह से प्याऊ क्षतिग्रस्त हो चुकी है टाइल्स भी टूट गए हैं साथ ही यहां पर एक दुकानदार के द्वारा अतिक्रमण करके प्याऊ का उपयोग आमजन करने से रोकने का काम किया जा रहा है उस पर भी कार्रवाई के निर्देश दिए लिए चाय वाले का जो सामान प्याऊ के कक्षा के अंदर रख लिया था उसको जप्त करवा कर एसडीएम ने तत्काल चाय वाले को यहां पर ठेला नहीं लगाने के निर्देश सीएमओ राम प्रकाश साहू को निर्देश देते हुए कहा कि प्याऊ को अच्छे से व्यवस्थित रूप से बनवाया जाए टोटियों को भी सही करवाया जाए पानी की टंकी की क्षमता को भी बढ़ाया जाए एक सार्वजनिक शौचालय भी यहां पर यात्रियों के लिए बनवाया जिससे कि यात्रियों को शौचालय के लिए परेशानी ना हो इसके बाद सीएमओ राम प्रकाश साहू ने जल्द ही यह सभी काम करवाने की बात कही।

संचालनालय पशुपालन एवं डेयरी मध्यप्रदेश कामधेनू भवन वैशाली नगर भोपाल

निविदा सूचना

क्रमांक 13094/भण्डार/2023-24 भोपाल, दिनांक :- 11.12.2023

संचालनालय पशुपालन एवं डेयरी वैशाली नगर मध्यप्रदेश भोपाल में कार्यालय के उपकरणों के (डेस्कटॉप कम्प्यूटर/लेपटॉप/मल्टीफैक्शन प्रिन्टर आदि की) की वार्षिक रखरखाव के कार्यों के लिए आनलाइन निविदा प्रणाली के माध्यम से म.प्र. शासन के पोर्टल Portal http://mptenders.gov.in पर निविदा आमंत्रित की जाती है।

स. क्र.	विवरण	निविदा जारी करने का दिनांक	निविदा की राशि	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र जमा करने का अंतिम दिनांक
MPD ,AH 185/ 2023	सचालनालय पशुपालन एव डेयरी वैशाली नगर मध्यप्रदेश भोपाल में कार्यालय के उपकरणों के (डेस्कटॉप कम्प्यूटर/लेपटॉप/ मल्टीफैक्शन प्रिंटर आदि की) की वार्षिक रखरखाव के कार्यों के लिए आनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है निविदा फर्म का टर्न ओवर राशि रू. 3-00 लाख वित्तीय वर्ष 2022-23 का होना अनिवार्य है।	22.12.2023	1000+ Proces sing Fees	राशि रू. 5000-00 की धरोहर राशि ऑन लाईन mptenders.gov.in पर जमा की जानी है	दिनांक 15.1.2024 शाम 5.30 तक

1 निविदा प्रपत्र उपरोक्त वर्णित वेबसाईट पर ऑन लाईन भुगतान कर प्राप्त किया जा सकता है।
2 निविदा का अनुमानित मूल्य रू. 05-00 लाख है।
3 निविदा में कोई भी संशोधन होने की स्थिति में उक्त संशोधन www.mptenders.gov.in पर अपलोड किया जाएगा।

(डॉ. आर.के. मोहिया)
संचालक
पशुपालन एवं डेयरी मध्यप्रदेश, भोपाल

G-21924/23

कार्यालय नगर पालिका निगम, भोपाल यांत्रिक विभाग जोन क्र.16

निविदा आमंत्रण घोषणा-पत्र

क्र. 230/या.वि./2023 भोपाल, दिनांक 15/12/2023

निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु दो लिफाफा पद्धति के अनुसार म.प्र. लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीयकृत व्यवस्था के अंतर्गत पंजीकृत ठेकेदार परसेन्टेज मोहर बंद निविदाये निर्धारित प्रपत्र पर आन लाईन आमंत्रित की जाती है।

क्र	ऑनलाईन निविदा क्र	कार्य का नाम	अनुमानित राशि	धरोहर राशि	प्रपत्र राशि	कार्य हेतु निर्धारित एस.ओ.आर	कार्य की अवधि
01	2023_UAD_ 319802_1	SUPPLY OF MATERIAL ADARSH NAGAR, GAYATRI NAGAR, CHATRASHAL NAGAR FOR GANESH JI DURGA JI PANDAAL AND FOR PATHHOLE REPAIRING IN RAINY SEASON,W-65,Z16	84598/-	1612/-	1000/-	01 months	MPUADD BUILDING ISSR 2021
02	2023_UAD_ 319805_1	SUPPLY OF MATERIAL BIHARI COLONY, SHABRI NAGAR, KALYAN NAGAR ATAL NEHRU NAGART, RASLAKHEDT) FOR GANESH JI DURGA JI PANDAAL AND FOR PATHHOLE REPAIRING IN RAINY SEASON, W-72,Z16	84598/-	1612/-	1000/-	01 months	MPUADD BUILDING ISSR 2021
03	2023_UAD_ 319815_1	SUPPLY OF MATERIAL LODHI NAGAR, PREET NAGAR,NARATA NAGAR, KUTIR NAGAR, CHOTE JINN B AWA ROAD FOR GANESH JI AND DURGA JI PANDAAL AND FOR PATHHOLE REPAIRING IN RAINY SEASON,W-73,Z16	84598/-	1612/-	1000/-	01 months	MPUADD BUILDING ISSR 2021

1.Interested idders can view the NIT on wesite https://www.mptenders.gov.in.
2.The Bid Document can e purehased only from 10:30 AM (time) 15.12.2023 (date) to 17:30P.M.(time) 29.12.2023(date) .
3. Amendments to NIT (if any) would be published on website https://www.mptenders.gov.in/ only, and not in newpaper.

सहायक यंत्री (सिविल)
जोन नं. 16
नगर निगम भोपाल

नि. क्र. 1275/023/024

मेट्रो एंकर | शहर को सुंदर और स्वच्छ बनाने में जुटी नगर पालिका

सीएमओ बोले: विधायक उमाकांत शर्मा के सख्त निर्देश शहर को सुंदर और स्वच्छ के साथ किया जाए धूल मुक्त

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

नगर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए इस समय नगर पालिका हर स्तर पर प्रयास करने में जुट गई है। नपा द्वारा अतिक्रमण मुहिम चलाकर शहर को सुंदर बनाने का प्रयास तेजी से किया जा रहा है। विगत 5 से 7 दिनों से नपा अमला प्रतिदिन शहर के मुख्य मार्गो पर फैले अतिक्रमण पर कार्यवाही कर रहा है और अतिक्रमणकारियों को सख्त हिदायत दी जा रही है कि दुकानदार अपनी सीमा के अंदर ही अपनी दुकानों का सामन रखें यदि किसी भी व्यक्ति द्वारा सड़क पर समान रखकर अतिक्रमण किया गया तो नपा द्वारा चालानी कार्यवाही की जाएगी। साथ ही नगर के मुख्य चौक-चौराहों के सौदर्यकरण को लेकर नपा गंभीर नजर आ रही है। पिछले दिनों पूर्व नपा ने नगर के पुराना बस स्टेण्ड रोड पर मुख्य चौराहा पर सौदर्यकरण करते हुए आई लव सिरोंज का विद्युत से सुसज्जित रात्रि कालीन सैल्फी पांइट बनाया जो आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है। जहा प्रतिदिन शहर के युवा रात्रि के समय पहुचकर अपनी सैल्फी लेते नजर आ रहें है। इसी के साथ नपा अब नगर के अन्य चौराहों स्थित रोटरियों का भी सौदर्यकरण करने में जुट गई। नपा के प्रभारी सीएमओ राम प्रकाष साहू ने बताया कि नपा द्वारा शहर के समस्त चौराहों स्थित रोटरी में विद्युत लाइट लगाई जाएगी व चौक-चौराहो को और भी सुंदर और स्वच्छ बनाया जाएगा।

नपा सीएमओ का प्रभार संभालते ही शहर में सौदर्यकरण के कार्य प्रारंभ -

नगर पालिका परिषद सिरोंज में विगत वर्षों में कई सीएमओ ने नपा की कमान संभाली लेकिन शहर की स्वच्छता और सौदर्यकरण करण को लेकर किसी ने प्रयास नही किया। जिसका परिणाम यह रहा कि शहर में गंदगी के अंबार व आम नागरिकों को अनेको समस्याओं का सामना करना पड़ा। वही विगत दिनों पूर्व नपा सीएमओ पद पर जैसे ही प्रभारी सीएमओ राम प्रकाष साहू आए वैसे ही शहर में सौदर्यकरण व अतिक्रमण पर कार्यवाही देखने को मिलने लगी। यदि पूर्व की बात की जाए तो पहले भी नपा द्वारा शहर में कई बार अतिक्रमण की मुहिम चलाई गई। लेकिन वह मुहिम सिर्फ एक से दो दिन चलकर ही बंद हो जाती रही। लेकिन इस बार नपा द्वारा चलाई जा रही अतिक्रमण मुहिम ने अब तेजी से कार्यवाही करना प्रारंभ कर दिया है और विगत 5 से 7 प्रतिदिन नपा की अतिक्रमणकारियों पर कार्यवाही देखने को मिल रही है।

चौक-चौरहो पर हो रहा सौदर्यकरण नागरिकों को कर रहा आकर्षित

नगर पालिका परिषद द्वारा नगर के चौक-चौराहो पर किया जा रहा सौदर्यकरण के कार्य को देखने के लिए प्रतिदिन रात्रि के शहर के नागरिक पहुच रहें है। पूर्व की यदि बात की जाए तो नगर के छत्री नाका,बस स्टेण्ड पर स्थित रोटरियों पर बेनर पोस्ट आदि लटके नजर आते थे जिसके कारण वहा मौजूद प्रमिता भी इन बेनर पोस्टो के बीच छिप जाती थी। लेकिन नपा द्वारा अब सौदर्यकरण करते हुए चौक-चौराहे पर स्थित समस्त रोटरियों में विद्युत लाइट लगाकर सुंदर और स्वच्छ बनाया जा रहा है।

मुंबई इंडियंस आईपीएल की सबसे सफल टीमों में से एक, अब तक जीते हैं 5 खिताब

फ्रेंचाइजी सबसे ज्यादा आईपीएल टाइटल जीतने के मामले में चेन्नई सुपरकिंग्स के बराबर

मुंबई, एजेंसी

हार्दिक पंड्या मुंबई इंडियंस के 5वें रेग्युलर कप्तान होंगे। उनसे पहले रोहित शर्मा, रिकी पोंटिंग, हरभजन सिंह और सचिन तेंदुलकर टीम की कप्तानी कर चुके हैं। मुंबई इंडियंस आईपीएल की सबसे सफल टीमों में से एक है। टीम ने अब तक 5 खिताब जीते हैं।

फ्रेंचाइजी सबसे ज्यादा आईपीएल टाइटल जीतने के मामले में चेन्नई सुपरकिंग्स के बराबर है, चेन्नई ने भी 5 खिताब जीते हैं। साथ ही चेन्नई की टीम 6 बार रनरअप रही है, जबकि मुंबई इंडियंस एक ही बार रनरअप रही है। इसलिए ष्टस्य लीग की सबसे सफल टीम है। वहीं इंडियन प्रीमियर लीग की पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस ने हाल ही में रोहित शर्मा को हटाकर हार्दिक पंड्या को टीम का नया कप्तान घोषित किया। फ्रेंचाइजी के इस फैसले से फैंस काफी निराश हैं और सोशल मीडिया के जरिए अपना गुस्सा निकाल रहे हैं। फैंस की नाराजगी को देखते हुए टीम के ग्लोबल डायरेक्टर महेला जयवर्धने ने बयान दिया है। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा, यह एक कठिन निर्णय था। ईमानदारी से कहूं तो यह इमोशनल डिसीजन था। हम क्रिकेट प्रेमियों की भावनाओं का कद्र करते हैं। मुझे लगता है कि हर कोई भावुक है और हमें इसका भी सम्मान करना होगा। लेकिन, साथ ही एक फ्रेंचाइजी के रूप में आपको ऐसे निर्णय लेने होते हैं। पंड्या को टीम का नया कप्तान घोषित किया गया था। गुजरात टाइटंस के पूर्व कप्तान रोहित की जगह लेंगे, जिनके नाम पांच आईपीएल खिताब हैं। नवंबर में रिटेंशन की समयसीमा से पहले पंड्या को जीटी से एमआई में ट्रेड किया गया था। पंड्या के लिए दोनों फ्रेंचाइजी के बीच ऑल कैश डील हुई थी।

गुजरात को पहली बार में चैंपियन बनाया

मुंबई की फ्रेंचाइजी ने कप्तानी के लिए रोहित शर्मा के बाद हार्दिक पंड्या पर भरोसा जताया है। पंड्या ने पहले ही सीजन में गुजरात टाइटंस को चैंपियन बनाया था। गुजरात की टीम 2022 के सीजन में चैंपियन बनी और 2023 में रनरअप रही। गुजरात टाइटंस ने पंड्या के जाने के बाद शुभमन गिल को कप्तान बनाया है।

गुजरात के हेड कोच नेहरा ने तोड़ी चुप्पी, बोले- हार्दिक जैसे मल्टी-टैलेंटेड खिलाड़ी की जगह की भरपाई करना कठिन होगा

गुजरात टाइटंस के मुख्य कोच आशीष नेहरा ने स्वीकार किया है कि आईपीएल के अगले सीजन में हार्दिक पांड्या जैसे मल्टी-टैलेंटेड खिलाड़ी की जगह की भरपाई करना काफी कठिन होगा। हालांकि, नेहरा ने कप्तानी की जिम्मेदारी के लिए शुभमन गिल पर भरोसा जताया है। हार्दिक हाल ही में मुंबई इंडियंस में लौटे हैं और उन्हें पांच बार की चैंपियन टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। नेहरा ने नीलामी के बाद मीडिया से बात करते हुए कहा- हार्दिक जैसे खिलाड़ी की जगह लेना उनकी प्रतिभा और अनुभव को देखते हुए मुश्किल है। हमने देखा है कि वह (गिल) पिछले तीन-चार वर्षों में चुनौतियों के लिए कैसे तैयार हुए हैं। उनकी उम्र 24-25 साल है, लेकिन उनका दिमाग अच्छा है। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा कि आईपीएल के अगले संस्करण में नतीजों की परवाह किए बिना फ्रेंचाइजी गिल का समर्थन करेगी। नेहरा ने कहा- हम उन पर विश्वास करते हैं। यही कारण है कि हमने उन्हें कप्तान बनाया है। मैं उन लोगों में से नहीं हूं जो हमेशा नतीजों के आधार पर चलते हैं। जब आप कप्तानी करने आते हैं तो आपको अन्य चीजों को भी देखना होता है। हमें विश्वास है कि गिल कप्तानी के लिए सही व्यक्ति हैं। टाइटंस ने मिचेल स्टार्क को खरीदने के लिए कड़ी मशक्कत की। इससे पहले कोलकाता नाइट राइडर्स ने ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज को रिकॉर्ड 24.75 करोड़ रुपये में खरीदा था। नेहरा स्टार्क को मिलने वाली बड़ी राशि से आश्चर्यचकित नहीं थे। उन्होंने कहा- आईपीएल में अधिक कीमत मिलने जैसा कुछ नहीं है। हर कोई जानता है कि स्टार्क क्या कर सकते हैं। वह खुद को प्रूफ कर चुके हैं। हमें एक तेज गेंदबाज की जरूरत थी और हर टीम की अलग रणनीति थी।

मेट्रो बाजार

अब महंगी मिलेगी रॉयल इनफील्ड हिमालयन 450

मुंबई, एजेंसी

न्यू जनरेशन हिमालयन 450 एडवेंचर बाइक एनुअल बाइकिंग इवेंट मोटोवर्स-2023 में 24 नवंबर को लॉन्च की गई थी। रॉयल एनफील्ड की न्यू जनरेशन हिमालयन 450 एडवेंचर बाइक 1 जनवरी से महंगी हो जाएगी। कंपनी ने गोवा में हुए अपने एनुअल बाइकिंग इवेंट मोटोवर्स-2023 में इसे 2.69 लाख रुपए (एक्स-शोरूम) की इंट्रोडक्टरी प्राइस में लॉन्च किया था। इंट्रोडक्टरी प्राइस सिर्फ 31 दिसंबर तक बुकिंग कराने पर ही लागू हैं। इसके बाद 1 जनवरी से ग्राहकों को बाइक के लिए बड़ी हुई कीमत देनी होंगी। बायर्स इसे ऑफिशियल वेबसाइट और डीलरशिप पर जाकर बुक कर सकते हैं। नई हिमालयन 450 तीन वैरिएंट और पांच कलर ऑप्शन के साथ आएगी। यदि कोई ग्राहक 1 जनवरी से पहले बाइक बुक करता है, लेकिन नए साल में कलर बदलने का ऑप्शन चुनता है, तो नई कीमत लागू होगी। वहीं, अगर कलर में बदलाव 31 दिसंबर से पहले होता है तो ग्राहक को शुरुआती कीमत का फायदा मिलेगा। नई हिमालयन में राउंड शेप का इंस्ट्रूमेंट कंसोल दिया गया है। कंपनी का दावा है कि ये दुनिया का पहला गोल ्रस्नञ्ज इंस्ट्रूमेंट कंसोल है। ये राउंड डैश गूगल मैप्स की मदद से म्यूजिक, फोन कनेक्टिविटी और नेविगेशन सहित सभी जरूरी चीजें शो करता है। रॉयल एनफील्ड हिमालयन 450 ने इंडियन मोटरसाइकिल ऑफ द ईयर 2024 का खिताब अपने नाम किया है।

टोयोटा की गाड़ी सेंसर में डिफेक्ट के कारण रिकॉल

नईदिल्ली, एजेंसी। कार मेकर टोयोटा मोटर्स ने तकनीकी खराबी आने के कारण दुनियाभर में अपनी 11.2 लाख कारों को वापस बुलाया है। इनमें करीब 10 लाख गाड़ियां अमेरिका में चलने वाली हैं। कंपनी के इस रिकॉल में टोयोटा और लेक्सस दोनों के वर्ष 2020 और 2022 के बीच बने मॉडल्स शामिल हैं। इनमें एवलॉन, कैमरी, कोरोला, लेक्सस 250, हाईलैंडर और सिएना हाइब्रिड शामिल हैं। टोयोटा की ओर से रिकॉल की गई इन गाड़ियों के फ्रंट पैसेंजर सीटों में लगे ऑक्यूपेंट क्लासिफिकेशन सिस्टम सेंसर से डिफेक्ट बताया जा रहा है। कंपनी के मुताबिक, सेंसर में शॉर्ट सर्किट के कारण एयर बैग एक्सीडेंट की स्थिति में खुल नहीं पाएंगे। इस अलावा सेंसर सीट पर बैठे व्यक्ति का वेट निर्धारित करने में असमर्थ हो सकता है और इससे आवश्यकता पड़ने पर एयरबैग नहीं खुलेगा। सेंसर यह भी सुनिश्चित करता है कि यदि फ्रंट सीट पर कोई छोटा बच्चा बैठा हो तो एयरबैग न खुलें। रिकॉल की गई कारों में डीलर सेंसर की टेस्टिंग करेंगे और यदि कोई खराबी पाई जाती है, तो कंपनी इन्हें कार मालिक से बिना कोई शुल्क लिए बदलेगी।

अफीका में दूसरी बार वनडे सीरीज जीता भारत
भारत ने साउथ अफ्रीका टूर की वनडे सीरीज 2-1 से अपने नाम की

पर्ल, एजेंसी

भारत ने साउथ अफ्रीका टूर की वनडे सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली है। टीम ने तीसरे और निर्णायक मुकाबले में मेजबान टीम को 78 रन से हराया। टीम इंडिया ने अफ्रीकी सरजमीं पर दूसरी बार वनडे सीरीज जीती है। टीम ने 2018 में विराट कोहली की कप्तानी में पहली बार वनडे सीरीज जीती थी। पार्ल के बोलैंड पार्क स्टेडियम में भारतीय टीम ने टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 8 विकेट पर 296 रन बनाए। जवाब में साउथ अफ्रीकी टीम 45.2 ओवर में 218 रन पर ऑलआउट हो गई। संजू सैमसन ने 108 रन की शतकीय पारी खेली, जबकि अर्शदीप सिंह ने 4 विकेट लिए। आवेश खान और वॉशिंगटन सुंदर को 2-2 विकेट मिले। अब टीम इंडिया 26 दिसंबर से 2 टेस्ट की सीरीज खेलने उतरेगी। पहला मैच सेंचुरियन के मैदान पर खेला जाएगा। टीम वहां अब तक टेस्ट सीरीज नहीं जीत सकी है। जीत से टीम इंडिया ने 3 मैचों की वनडे सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। टीम ने अफ्रीकी सरजमीं पर दूसरी वनडे सीरीज जीती है। भारतीय टीम ने पहली सीरीज विराट कोहली की कप्तानी में 2018 में जीती थी।

प्रैक्टिस के दौरान अंपायर को धमकाने का आरोप
इंग्लिश क्रिकेटर टॉम करन चार बीबीएल मैचों के लिए बैन

रियाद, एजेंसी

इंग्लैंड के ऑलराउंडर टॉम करन को अंपायर को डराने-धमकाने का दोषी पाए जाने के बाद चार बीबीएल (बिग बैश) लीग मैचों के लिए बैन कर दिया गया है। करन पर 11 दिसंबर को लाउंसेस्टन में होबार्ट हरिकेंस के खिलाफ सिक्सर्स के मैच से पहले एक घटना के लिए क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के कोड ऑफ कंडक्ट के तहत लेवल 3 के अपराध का आरोप लगाया गया था। इसके मुताबिक गुरुवार 21 दिसंबर को उन पर अंपायर को धमकाने का आरोप लगा है। दरअसल, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मुताबिक मैच के पहले किसी भी बॉलर को पिच पर दौड़ने की अनुमति नहीं थी, लेकिन करन वॉर्म अप के दौरान एक हिस्से पर दौड़ने लगे। अंपायर ने उन्हें दोबारा ऐसा न करने का निर्देश दिया। उन्होंने करन को रनअप नहीं लेने का निर्देश दिया, लेकिन करन नहीं माने और अंपायर की तरफ दौड़ने लगे। अंपायर ने जब देखा कि प्लेयर बहुत करीब आ गए है और उनसे टकराने वाले है, तब वे साइड हो गए। आखिर में वे अंपायर के पास से निकले और रनअप पूरा किया। करन ने आरोप का विरोध किया, लेकिन उन पर चार गेम का बैन लगा।

दुबई में टेनिस खेलते नजर आए धोनी और पंत

पोर्ट एलिजाबेथ, एजेंसी

दुबई में भारतीय क्रिकेट के दो दिग्गज विकेटकीपर बल्लेबाज टेनिस कोर्ट में नजर आए. यहां एमएस धोनी और ऋषभ पंत को हाथ में टेनिस रेकेट लिए एक-दूसरे के खिलाफ मैदान संभालते हुए देखा गया. इस नजारे का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. इस वीडियो में ऋषभ पंत के एक जोरदार शॉट पर एमएस धोनी आश्चर्यचकित होते हुए भी नजर आ रहे हैं. इस दौरान फैंस भी यह शॉट देखकर शोर मचाते दिखाई दे रहे हैं. दोनों ही दिग्गज अपनी-अपनी फ्रेंचाइजी के साथ ऑक्शन के लिए दुबई आए हुए थे. ऋषभ पंत तो इस दौरान ऑक्शन हॉल में भी दिखाई दिए. वह दिल्ली कैपिटल्स की टेबल पर बैठकर खिलाड़ियों के लिए बोली लगा रहे थे. हालांकि एमएस धोनी ऑक्शन हॉल में नजर नहीं आए. ऋषभ पंत भले ही क्रिकेट के मैदान से दूर चल रहे हैं लेकिन वह दिल्ली कैपिटल्स की ऑक्शन स्ट्रेटजी का अहम हिस्सा थे. वह फ्रेंचाइजी की हर मीटिंग और प्लानिंग में मौजूद रहे थे. ऐसे में फ्रेंचाइजी ने उन्हें ऑक्शन के दौरान भी उपस्थित रहने के लिए कहा था। दिल्ली ने इस ऑक्शन में भारतीय अनकैप्ड क्रिकेटर कुमार कुशाग्र (7.20 करोड़) पर सबसे बड़ा दांव लगाया. इस फ्रेंचाइजी ने जाय रिचर्डसन (5 करोड़) और हैरी ब्रूक (4 करोड़) को भी अपने पाले में करने में कामयाबी हासिल की. चेन्नई सुपर किंग्स के हर फैसले में तो एमएस धोनी की भूमिका होती ही है।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

ओरी की तरह नहीं बनना चाहती हैं अनन्या, बोली- इस साल से बदला सोचने का नजरिया

अभिनेत्री अनन्या पांडे इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'खो गए हम कहां' की रिलीज को लेकर सुर्खियों में हैं। अभिनेत्री की यह फिल्म अर्जुन वरैन सिंह के निर्देशन में बनी है। बीतों दिनों इस फिल्म की एक विशेष स्क्रीनिंग रखी गई, जिसमें बॉलीवुड के कई दिग्गज सितारे शामिल हुए थे। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में अभिनेत्री ने उन दिनों को याद किया, जब वह अपने शुरुआती करियर में सबका प्यार पाना चाहती थीं। इसके अलावा अभिनेत्री ने अपने पिता चंकी पांडे के बारे में भी बात की।

विरासत में मिला लोगों को खुश करने का स्वभाव

अनन्या ने अपने पिता चंकी पांडे के बारे में बात करते हुए कहा कि लोगों को खुश करने का स्वभाव उन्हें अपने पिता से विरासत में मिला है। अभिनेत्री ने कहा, मैं बिल्कुल उनके जैसी हूं, जब मैंने अपने करियर की शुरुआत की थी, तो यही सोचती थी कि मैं सबसे प्यार करूंगी, लेकिन इंडस्ट्री में मुझे किसी से प्यार नहीं मिला। मेरे समझ नहीं आता है कि क्यों कोई मुझसे प्यार क्यों नहीं करता।

अनन्या ने बदला अपना नजरिया

अभिनेत्री ने बातचीत को आगे बढ़ाते हुए कहा, जब मुझे एहसास हुआ कि हर किसी को अपने जैसा नहीं बनाया जा सकता, तभी से मैंने दुसरों से प्यार पाने की इच्छा को बदल दिया है। अब मैं सिर्फ अपने परिवार और खुद से प्यार करती हूं। मेरा ये नजरिया इस साल से ही बदला है, क्योंकि मैं ओरी की तरह नहीं दिखना चाहती हूं। मैं अब सिर्फ खुद पर काम करना चाहती हूं। मैं एक अच्छे इंसान की तरह अपना जीवन जीना चाहती हूं। अनन्या पांडे के वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेत्री फिल्म खो गए हम कहां में नजर आने वाली हैं। फिल्म में अनन्या के अलावा सिद्धांत चतुर्वेदी और आदर्श गौरव मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म की कहानी तीन दोस्तों के जीवन पर आधारित है। फिल्म खो गए हम कहां 26 दिसंबर को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर दस्तक देगी।

मलाइका अरोड़ा से तलाक के बाद दूसरी शादी करने जा रहे हैं अरबाज!

सलमान खान के भाई और एक्टर अरबाज खान को लेकर खबर आ रही है कि वो जल्द शादी करने वाले हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक, अरबाज खान मेकअप आर्टिस्ट शौर खान को डेट कर रहे हैं और शादी की प्लानिंग में हैं. एक रिपोर्ट के मुताबकि, अरबाज खान 24 दिसंबर को एक बार फिर दूल्हा बनने जा रहे हैं. वो 24 दिसंबर को शौर खान के साथ शादी करने वाले हैं. इस शादी में फैमिली मेंबर्स और खास दोस्त ही शामिल होंगे. शादी मुंबई में ही होगी. शौरा और अरबाज की मुलाकात फिल्म के सेट पर हुई थी. इसी के बाद से उनके बीच में प्यार हुआ. मालूम हो कि अरबाज की शादी को लेकर अभी तक कुछ भी ऑफिशियली अनाउंसमेंट नहीं हुई है. अरबाज खान की इससे पहले एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा संग शादी हुई थी. मलाइका और अरबाज की शादी 12 दिसंबर 1998 में हुई थी. लेकिन उनका रिश्ता चल नहीं पाया. उन्होंने शादी के 19 साल बाद तलाक ले लिया. मलाइका और अरबाज को इस शादी से एक बेटा भी है. मलाइका से अलग होने के बाद अरबाज ने जॉर्जिया एंड्रियानी को डेट किया. कुछ समय पहले ही अरबाज व जॉर्जिया एंड्रियानी ने ब्रेकअप की खबरों पर मुहर लगाई. जॉर्जिया ने ब्रेकअप के बारे में बताते हुए कहा था, हम दोस्त थे. हम बहुत अच्छे दोस्त थे. उनके लिए मेरे दिल में हमेशा फीलिंग होगी. मलाइका संग अरबाज का रिश्ता कभी भी हमारे बीच में नहीं आया. मैं अब किसी की गर्लफ्रेंड कहलाना नहीं चाहती हूं. हम दोनों को पता था कि ये ज्यादा लंबा नहीं चलेगा. ये बहुत अलग था. बता दें कि शौरा खान बॉलीवुड मेकअप आर्टिस्ट हैं. उन्होंने रवीना टंडन और उनकी बेटी राशा के साथ क्लोजली काम किया है।

पहली हिंदी फिल्म फ्लॉप रही, अब साउथ सिनेमा में सुपरस्टार

तमन्ना भाटिया 18 साल से फिल्म इंडस्ट्री में एक्टिव हैं और लगभग 67 फिल्मों में अपनी एक्टिंग की छाप छोड़ चुकी हैं। तमन्ना का शुरुआती फिल्मी सफर आसान नहीं रहा। उनकी बॉलीवुड डेब्यू फिल्म ही फ्लॉप रही। फिर काम की तलाश में उन्होंने साउथ सिनेमा का रुख किया। कुछ समय के बाद संघर्ष के बाद वहां तमन्ना ने वो मुकाम हासिल किया, जिसकी वो हकदार थीं।

प्रोफेशनल लाइफ के साथ पर्सनल लाइफ की वजह से भी वो सुर्खियों में बनी रहती हैं। विराट कोहली और पाकिस्तानी क्रिकेटर के साथ रिलेशनशिप की अफवाहें जोरों पर थीं लेकिन तमन्ना ने इन सभी बातों को बेबुनियाद बताया था। वहीं वो इन दिनों विजय वर्मा के साथ डेटिंग की खबरों को लेकर लाइमलाइट में हैं। तमन्ना ने अपने करियर में अधिकतर फिल्में तमिल और तेलुगु में की हैं, इस कारण अधिकतर लोगों का मानना है कि वो मूल रूप से साउथ से हैं। मगर ऐसा नहीं है। तमन्ना की परवरिश और पढ़ाई-लिखाई मुंबई से ही हुई है। तमन्ना 13 साल की उम्र से ही पृथ्वी थिएटर से जुड़ गई थीं, जहां वो स्टेज परफॉर्म भी किया करती थीं। एक्टिंग के हुनर से उन्होंने कम उम्र में ही पहचान बना ली थी। 2005 में उन्होंने पहली बार एंटरटेनमेंट की दुनिया में कदम रखा था। 2005 में पहली बार वो अभिजित सावंत के म्यूजिक वीडियो लफ्जों में दिखी थीं। फिर उन्होंने इसी साल हिंदी फिल्म चांद सा रोशन चेहरा से बॉलीवुड डेब्यू किया था। बदकिस्मती से फिल्म बुरी तरह फ्लॉप हो गई थी। पहले ही फिल्म फ्लॉप हो जाने के बाद तमन्ना के लिए काम पाना मुश्किल हो रहा था। करियर में बड़े बदलाव के लिए उन्होंने साउथ सिनेमा का रुख किया। करियर के शुरुआती दिनों के बारे में तमन्ना ने बरखा दत्त को दिए इंटरव्यू में बात की थी। उन्होंने कहा था कि उन्हें इंडस्ट्री में आए ज्यादा समय नहीं हुआ था, तब एक डायरेक्टर-प्रोड्यूसर ने उनसे कहा था- तुम एक्ट या डांस लड़कों से जैसे करती हो। अपने एक्ट में लड़कियों जैसी लचक लाओ।

खरीददारी कर घर लौट रहे बाइक सवार को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, मौत

गोलखेड़ी टोलटैक्स के पास ईंटखेड़ी में हुआ हादसा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

खरीददारी करके भोपाल से नजीराबाद लौट रहे बाइक सवार युवक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। एंबुलेंस की मदद से गंभीर हालत में उसे अस्पताल रवाना किया गया लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद अज्ञात आरोपी चालक अपना वाहन लेकर घटनास्थल से फरार हो गया। पुलिस ने फिलहाल मर्ग कायम कर अज्ञात आरोपी चालक और वाहन की तलाश शुरू कर दी है। वाहन की तलाश के लिए घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

पुलिस के मुताबिक ग्राम गढ़ाखुर्द नजीराबाद निवासी राजेश प्रजापति पुत्र बटनलाल प्रजापति (30) एमपी ऑनलाइन शॉप पर क प्यूटर ऑपरेटर था। बुधवार देर शाम वह भोपाल से खरीददारी कर अपने गांव लौट रहा था। इस बीच शाम करीब पौने छह बजे किसी अज्ञात वाहन ने राजेश की मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद आरोपी चालक वहां रुका नहीं बल्कि अपना वाहन लेकर फरार हो गया। घटना के बाद वहां से गुजर रहे लोगों ने गंभीर रूप से घायल राजेश को अस्पताल रवाना किया था। लेकिन उससे पहले ही उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने बताया कि मृतक राजेश प्रजापति की करीब पांच साल पहले शादी हुई थी। उसका एक तीन साल का बेटा व एक साल की बेटी है। गुरुवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया था। आरोपी चालक व वाहन की सरगर्मी से तलाश की जा रही है।

मिनी ट्रक ने बाइक सवार को रौंदा, एक की मौत, दूसरा गंभीर

सूखी सेवनिया पुलिस के मुताबिक न्यू राजीव नगर सेमरा निवासी वृंदावन लोधी (40) प्राइवेट काम करता था। बुधवार को वह अपने एक साथी के साथ सूखी सेवनिया गया हुआ था। बुधवार शाम करीब साढ़े पांच बजे सूखी सेवनिया से भोपाल आते समय इंडियन पेट्रोल पंप के पास चौपड़ा कला इलाके में अज्ञात वाहन ने उनकी मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर मारने के बाद आरोपी चालक वाहन लेकर फरार हो गया। स्थानीय रहवासियों ने एंबुलेंस की मदद से वृंदावन और उसके साथी को हमीदिया अस्पताल रवाना किया, जहां वृंदावन लोधी की मौत हो गई जबकि उसके साथी की हालत गंभीर बनी हुई है। प्रधान आरक्षक मुकेश कटियार ने बताया कि मृतक के पास मिले की-पेड मोबाइल में मिले नंबरों पर संपर्क करने पर परिजनों से बात हुई थी। उसके बाद ही पहचान हो सकी। स्थानीय लोगों का कहना है कि किसी मिनीट्रक (407 वाहन) ने टक्कर मारी है। सीसीटीवी कैमरों के फुटेज चैक कर वाहन और आरोपी चालक की तलाश की जा रही है।

पानी गर्म करने वाली रॉड से पत्नी को जलाया, पुलिस ने दर्ज किया केस

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कमला नगर इलाके में पति ने पत्नी को पानी गर्म करने वाली रॉड (इमर्सन रॉड) से जला दिया। इससे उसका हाथ जल गया। इतना ही नहीं आरोपी के मारपीट से महिला को चोट लगी है। कमला नगर पुलिस ने महिला की शिकायत पर उसके पति के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

पुलिस के मुताबिक, नेहरू नगर निवासी 30 वर्षीय सुरभि सिंह ठाकुर की इसी साल मार्च में अजीत सिंह ठाकुर से शादी हुई है। सुरभि गृहणी हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि शादी के बाद से ही पति शराब के नशे में घर आता है। मारपीट करता है। बुधवार शाम करीब 4 बजे पति नशे की हालत में घर पहुंचा। घर आते ही उसके साथ गाली-गालौच करते हुए मारपीट कर दी। इसी बीच पानी गर्म करने वाली गर्म रॉड से उसके दाहिने हाथ को जला दिया। सुरत्रि के गले में मारपीट से चोट आई है। सुरभि ने घटना की जानकारी अपने पिता ऋषि जौहरी को दी। थोड़ी देर बाद उसके पिता पहुंचे। उन्होंने दामाद को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वह नहीं माना। वह ससुर के साथ भी गाली-गलौच करने लगा। पत्नी को उसने धमकी दी कि यदि थाने रिपोर्ट करने गई तो जान से खत्म कर देंगे। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

मामूली बात पर कहासुनी, भाई ने बहन पर गर्म चाय फेंकी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अवधपुरी थाना क्षेत्र स्थित शिवलोक फेस टू में बहन भाई के बीच हुई मामूली कहासुनी के बाद बड़े भाई ने छोटी बहन पर गर्म चाय फेंक दी। चाय शरीर पर गिरने के कारण बहन झुलस गई। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी भाई के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार प्रीति सगोलिया पिता सुरेश सगोलिया (19) शिवलोक फेस टू, अवधपुरी में रहती है। उसने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि उसका बड़ा भाई शांतनु उससे आए दिन छोटी छोटी बातों को लेकर विवाद करता है। कल गुरुवार सुबह भी शांतनु से उसकी कहासुनी हुई थी। कहासुनी बढ़ने पर शांतनु ने प्रीति पर गर्म चाय फेंक दी।

मृतक मजदूरी करता था और फुटपाथ पर ही सो जाया करता था

छोला मंदिर में पटरी किनारे बबूल के पेड़ पर लटका मिला युवक का शव

भोपाल, दोपहर मेट्रो

छोला मंदिर पुलिस ने रेलवे पटरी के किनारे बबूल के पेड़ पर फांसी से लटके युवक का शव बरामद किया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिए मर्चुरी में रखवा दिया है। मृतक मजदूरी करता था और घर जाने के बजाए पुटपाथ पर सो जाया करता था। शव करीब तीन से दिन पुराना बताया गया है।

पुलिस के मुताबिक गुरुवार दोपहर करीब तीन बजे सूचना मिली कि विदिशा रोड स्थित भव्य मनोरम गार्डन के पीछे रेलवे पटरी के किनारे स्थित बबूल के पेड़ पर एक युवक की फांसी के फंदे पर लाश लटकी हुई है। मौके पर पहुंची पुलिस ने करीब तीन दिन पुराना शव बरामद किया और पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान कल्याण अहिरवार (35) निवासी करारिया जिला विदिश के रूप में हुई। मृतक के परिवार में पत्नी के अलावा दो बच्चे हैं। वह पहले करोंद इलाके में रहता था और मजदूरी करता था। दंपति के बीच आए दिन होने वाले विवाद के चलते मकान मालिक ने कमरा खाली करवा लिया तो शाहजहांनाबाद में रहने लगा था। उसके बाद उसने घर जाना बंद कर दिया और बस स्टैंड अथवा कहीं अन्य फुटपाथ पर सो जाया करता था। पिछले आठ दिनों से उसने घरवालों से कोई संपर्क नहीं किया था। वह अपने साथ मोबाइल भी नहीं रखता था। शुक्रवार को शव का पोस्टमार्टण कराने के बाद लाश परिजनों को सौंपी जाएगी।

हमीदिया परिसर स्थित रैन बसेरा में जीवन गुजार रहे रंगकर्मी की बीमारी के चलते मौत

हमीदिया अस्पताल परिसर स्थित रैन बसेरा में जीवन गुजार रहे एक रंगकर्मी की बीमारी के चलते मौत हो गई। यहीं रहने वाले दो अन्य अज्ञात लोगों की भी बीमारी के कारण मौत हो गई। पुलिस ने सभी मामलों में मर्ग कायम कर लिया है। पुलिस के मुताबिक बुधवार सुबह सूचना मिली कि रैन बसेरा में रहने वाले 35 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति की बीमारी से मौत हो गई है। मौके पर पहुंची पुलिस ने जब मृतक की तलाशी ली तो उसकी जेब में पर्ची में लिखा एक मोबाइल नंबर मिला। संपर्क करने पर मृतक का नाम अपूर्व शुक्ला पता चला और मोबाइल नंबर उसकी मौसी का था। अपूर्व एक रंगकर्मी था और वह पत्रकारिता तथा फोटोग्राफी भी करता था। उसके पिता पंकज शुक्ला सीनियर अधिवक्ता और पत्रकार रह चुके हैं। वह पहले जहांगीराबाद में रहता था, लेकिन बाद में अलग-अलग स्थानों पर रहने लगा था। उसकी मौसी ने अपने साथ कटनी में रहने का बोला था, लेकिन अपूर्व उनके साथ नहीं गया। पिता के निधन के बाद से वह लगातार डिप्रेशन में चला गया और बाद में रैन बसेरा में अपना ठिकाना बना लिया था। यहीं पर 45 साल और 60 साल के दो अन्य लोगों की भी बीमारी के चलते मौत हो गई है। उनके परिजनों के बारे में पुलिस को कोई जानकारी नहीं मिल पाई है।

युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

गोविंदपुरा थाना क्षेत्र स्थित बरखेड़ा पठानी में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। कल सुबह चार बजे अचानक तबीयत बिगड़ने पर परिजन उसे एम्स लेकर पहुंचे थे। एम्स में डॉक्टर ने चेक करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। अनुमान है कि उसे हार्ट अटैक आया है। दरअसल, शॉर्ट पीएम रिपोर्ट में भी हार्ट अटैक की बात सामने आई है। पुलिस फुल पीएम रिपोर्ट मिलने का इंतजार कर रही है। एएसआई वासुदेव सविता ने बताया कि सन्नी चौकसे पित स्वर्गीय ओम प्रकाश चौकसे (32) बरखड़ेखा पठानी में रहता था। उसका मकान मुख्य सड़क पर है और वह मकान में ही सामने पंचर की दुकान का संचालन करता था। परिजन ने बताया कि गुरुवार सुबह करीब चार बजे सन्नी की तबीयत बिगड़ी थी। उसे तत्काल एम्स लेकर पहुंचे, वहां एक घंटे बाद करीब पांच बजे डॉक्टर ने सन्नी को मृत घोषित कर दिया।

पुलिसकर्मियों के लिए नि:शुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

पुलिसकर्मियों के शारीरिक स्वास्थ्य को लेकर वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर समय-समय पर कार्यशाला एवं स्वास्थ्य संबंधी प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जाते हैं। इसी कड़ी में आरंभ संस्था द्वारा गुरुवार को पुलिस आयुक्त कार्यालय में पुलिसकर्मियों के लिए नि-शुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में पुलिस आयुक्त कार्यालय एवं रक्षित केंद्र के 110 पुलिसकर्मियों का नेत्र परीक्षण किया गया। आरंभ संस्था द्वारा 50 पुलिसकर्मियों को चश्मे भी वितरित किए गए, जबकि शेष पुलिस कर्मचारियों को बाद में चश्मे वितरित किए जाएंगे। इस अवसर पर पुलिस अधिकारियों ने भी नेत्र परीक्षण कराया और शिविर के लिए आरंभ संस्था का आभार माना।

मेट्रो एंकर सीसीटीवी फुटेज से पुलिस कर रही पहचान

सम्मोहन क्रिया से महिला के कान के टॉप्स ठगने वाले जालसाजों का नहीं लगा सुराग

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कटारा हिल्स थाना क्षेत्र स्थित हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी लहारपुर में बुटिक का संचालन करने वाली महिला को सम्मोहन क्रिया से ठगने वाले जालसाजों का सुराग नहीं लग सका है। पुलिस ठगों की सीसीटीवी फुटेज के आधार पर तलाश कर रही है। पुलिस ने सोशल मीडिया पर भी फुटेज वायरल किए है, लेकिन दो महीने बीत जाने पर भी ठगों का सुराग नहीं लगा है।

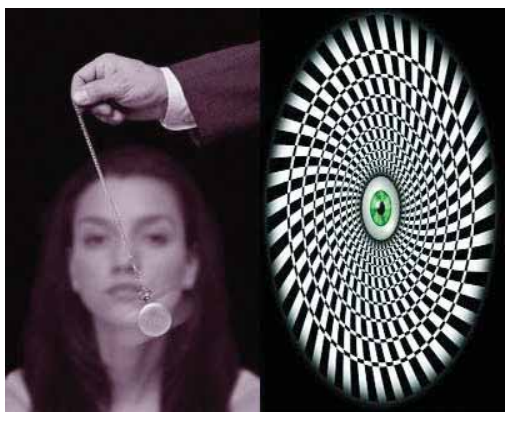

पुलिस के अनुसार ज्योति शर्मा पति प्रकाश नारायण शर्मा (50) एलआईजी फर्स्ट, 204, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, लहारपुर में रहती हैं और कटारा स्कूल के पास बुटिक का संचालन करती हैं। गत 4 अक्टूबर 2023 को दोपहर करीब करीब साढ़े 12 बजे वह दुकान पर थी। इस दौरान एक बाइक पर दो युवक पहुंचे। एक युवक उनके पास पहुंचा और दूसरा बाइक के पास खड़ा रहा। उनके पास पहुंचे युवक ने उनसे सफेद रंग का ब्लाउज पीस मांगा। ज्योति ने ब्लाउज पीस दिखाया और उसने एक पीस पसंद कर पांच सौ रुपए का नोट थमा दिया। ज्योति ने उसे ब्लाउज पीस के साथ चार सौ रुपए लौटाए थे, तभी उसने कोई मंत्र पड़ा और कहा कि अपने कान के टॉप्स दे दो। ज्योति ने उसके कहने पर कान के टॉप्स उतारकर दे दिए। कान के टाप्स हाथ लगने के बाद आरोपी बाइक के पास खड़े अपने साथी के साथ चला गया। कुछ देर बाद ज्योति को पता चला कि उनके कान के टॉप्स युवक लेकर गया है तो उन्होंने अपनी बेटी को आवाज दी। मां बेटी बाहर निकली तो बाइक सवार दोनों आरोपी बरखेड़ा पठानी की तरफ भाग निकले थे।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022